राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2393
फयूल
DEVEL FROM HELL
नागराज
मुफ्त थ्री डी चश्मा
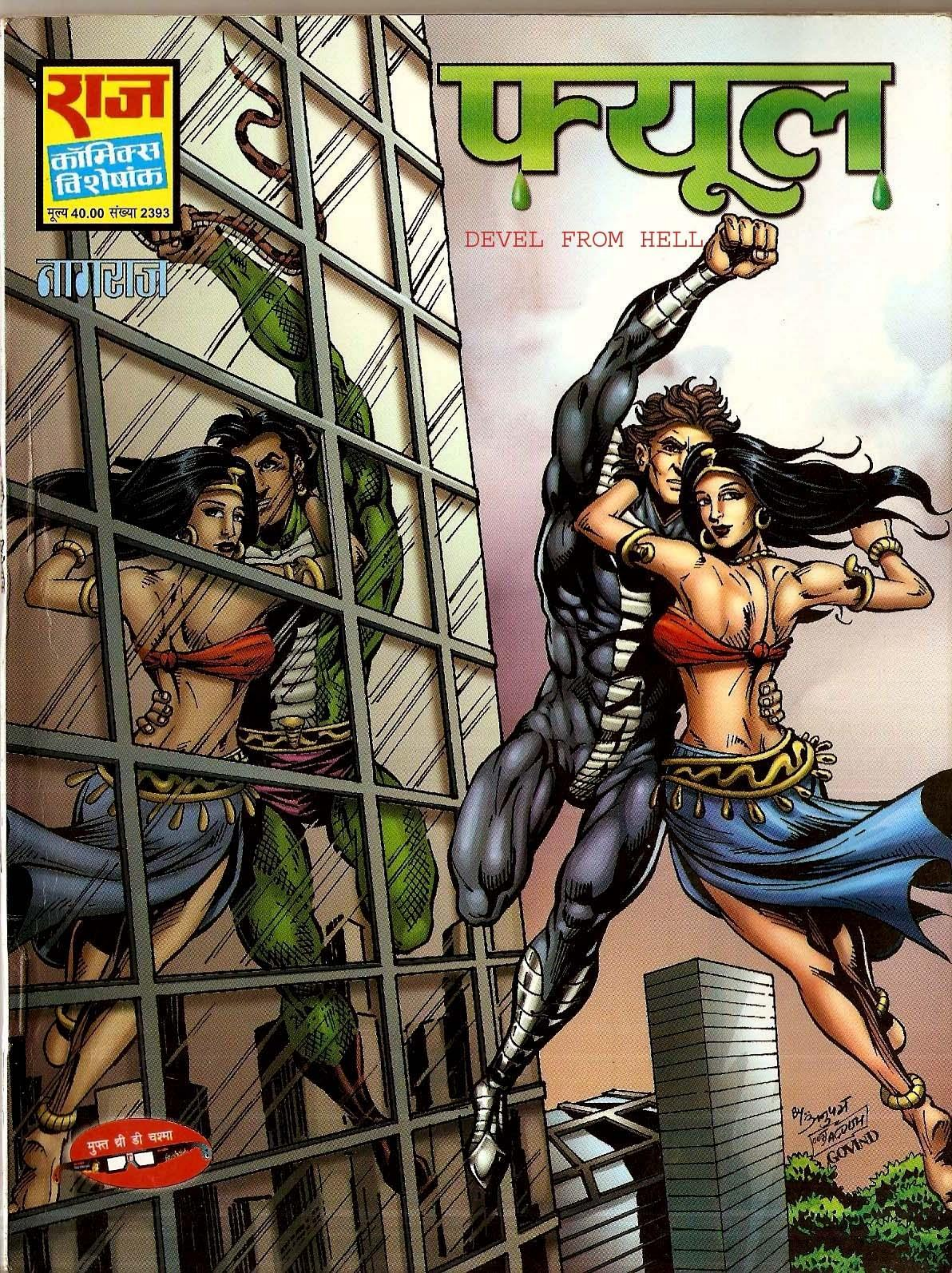
नागदेव कालजयी के विष ने
एक बालक को मरणासन्न कर दिया
लेकिन उसी विष ने
उस बालक को दिया नवजीवन
और अपरिमित नाग शक्तियां!
इन नाग शक्तियों के बल पर
वह बन गया
अपराधनाशक नागराज!
नागराज

मिट चुका हैं नागराज का अस्तित्व!-
अब बारी है इच्छाधारी नागों की प्रजाति की-
क्योंकि इंसान से बड़ा प्रिडेटर और कोई नहीं-
और आज इच्छाधारी नागों से ज्यादा कीमती शिकार कोई नहीं। क्योंकि इच्छाधारी नागों का विष बन चुका है इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली...
संजय गुप्ता पेश करते हैं
फ़्यूल
राज कॉमिक्स है मेरा जुनून!
कथा एवं चित्रांकन
अनुपम सिन्हा
इंकिंग
सागर थापा,
विनीत सिद्धार्थ, लक्ष्मीन
डिजिटल कैलीग्राफी
हरीश शर्मा
इफेक्ट्स
प्रवीन सिंह,
शादाब सिद्दीकी
सह सम्पादक
मंदार गंगेले
सम्पादक
मनीष गुप्ता

'नागराज के बाद' में अब तक-महानगर में रहस्यमय रूप से आत्महत्याओं का दौर जारी है। महानगर सहित पूरी दुनिया से रहम का नामोंनिशान मिट चुका है। क्योंकि किसी और के लिए रहम दिखाने का मतलब है अपनी जान से हाथ धो लेना। इसी तरह एक लड़की को गुंडों से बचाने वाला एक गार्ड आत्महत्या कर लेता है। नागराज भी इस रहस्यमयी बीमारी का शिकार होकर आत्महत्या कर लेता है। महानगर है रक्षक रहित। इधर सौडांगी एक साधारण इंसान की जिंदगी जीने पर मजबूर है और एक बड़ी सिक्योरिटी एजेंसी चला रही है। महानगर में नागराज से जुड़े हर इच्छाधारी नाग को हिरासत में लिया जा रहा है। इस सारे घटनाक्रम की वजह है छः माह पूर्व डॉक्टर करुनाकरन का बनाया हुआ गुप्त प्रोजेक्ट जोकि एक एनर्जी रिएक्टर था जो नागों के जहर से चलता था। नागमणि नागदंत की मदद से उस रिएक्टर को चुराने में सफल हो गया था। परंतु रिएक्टर चलाने में असफल रहा। एक रहस्यमय शख्स किंग ने नागमणि को रिएक्टर चलाने का तरीका बताने के लिए पार्टनरशिप का ऑफर दिया था। उधर भारती कम्युनिकेशन्स पर इसके पूर्व मालिक पहलेजा ने धोखे से कब्जा कर लिया था। राज अपनी नौकरी से हाथ धो बैठा था और नागराज की लोकप्रियता दुष्प्रचार कर कम की जा रही थी। दुनियाभर के पेट्रोलियम सप्लायर्स टैंकर्स पर आतंकवादियों का हमला जारी था जिनमें से एक हमले को नागराज ने विफल किया था पर वही हमला शायद नागराज की मौत का भी कारण था! अब आगे-

"ये नागराज के अंत की शुरूआत है। कौन यकीन कर सकता है कि एक दिन ऐसा भी आएगा जब नागराज आत्महत्या करना चाहेगा!"

"वैसे मरने का ये तरीका वीभत्स जरूर है। पर है बड़ा... दिलचस्प!"

"मजा आ जाएगा जब शार्क्स एक-एक करके नागराज के अंगों को काटेंगी!"

"और गलती जाएंगी। नागराज को काटकर कोई जिंदा बचा हैं क्या?"

"एक शार्क बचेगी!!"

"पर ये अंडरवाटर दृश्य हम कैसे देख पा रहे हैं? कैमरा क्या शिप के तल में फिट है?"

"तुम कैमरा देखकर क्या करोगे?"...
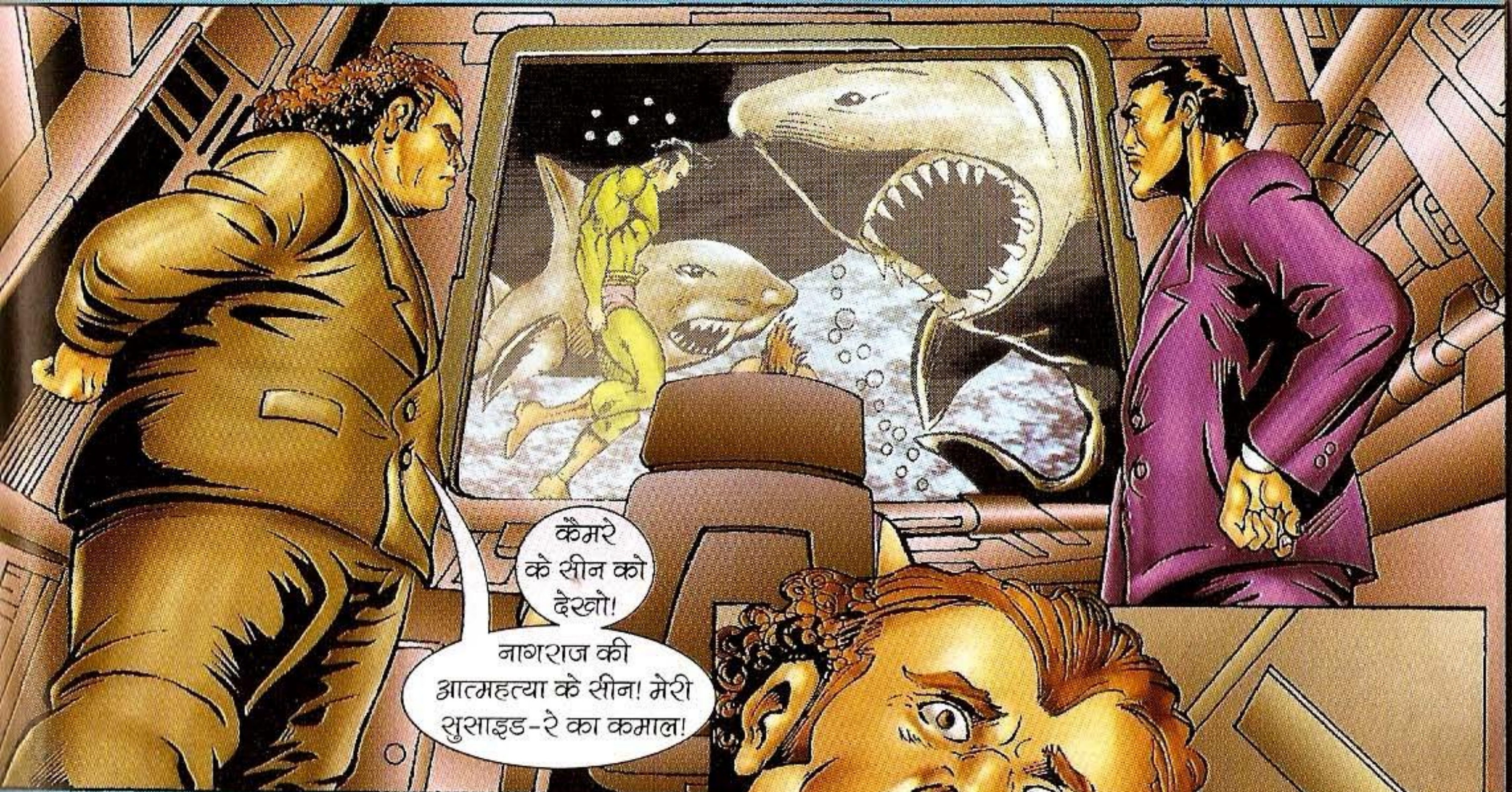
कैमरे के सीन को देखो!
नागराज की आत्महत्या के सीन! मेरी सुसाइड-रे का कमाल!
ये...ये क्या हुआ? नागराज पलट कर वार क्यों कर रहा है? इसे तो आत्महत्या करनी थी।
अब वो 'रे' तुम अपनी खोपड़ी पर डाल लो! बेकार है तुम्हारी सुसाइड-रे!
आत्महत्या वाली स्थिति तो थी-
पर शार्क्स के लिए-
"मेरी रे बेकार नहीं है। इसका असर अब्दुल्ला पर नजर आ चुका है। कारण कुछ और ही है।"
मुझे टैंकर पर एकाएक याद आया, कि यहां पर आते वक्त जब मैं शार्क्स से भिड़ रहा था, तो मुझे पानी में टिक-टिक की आवाज सुनाई दी थी। उस वक्त मेरा ध्यान आतंकवादियों पर था।
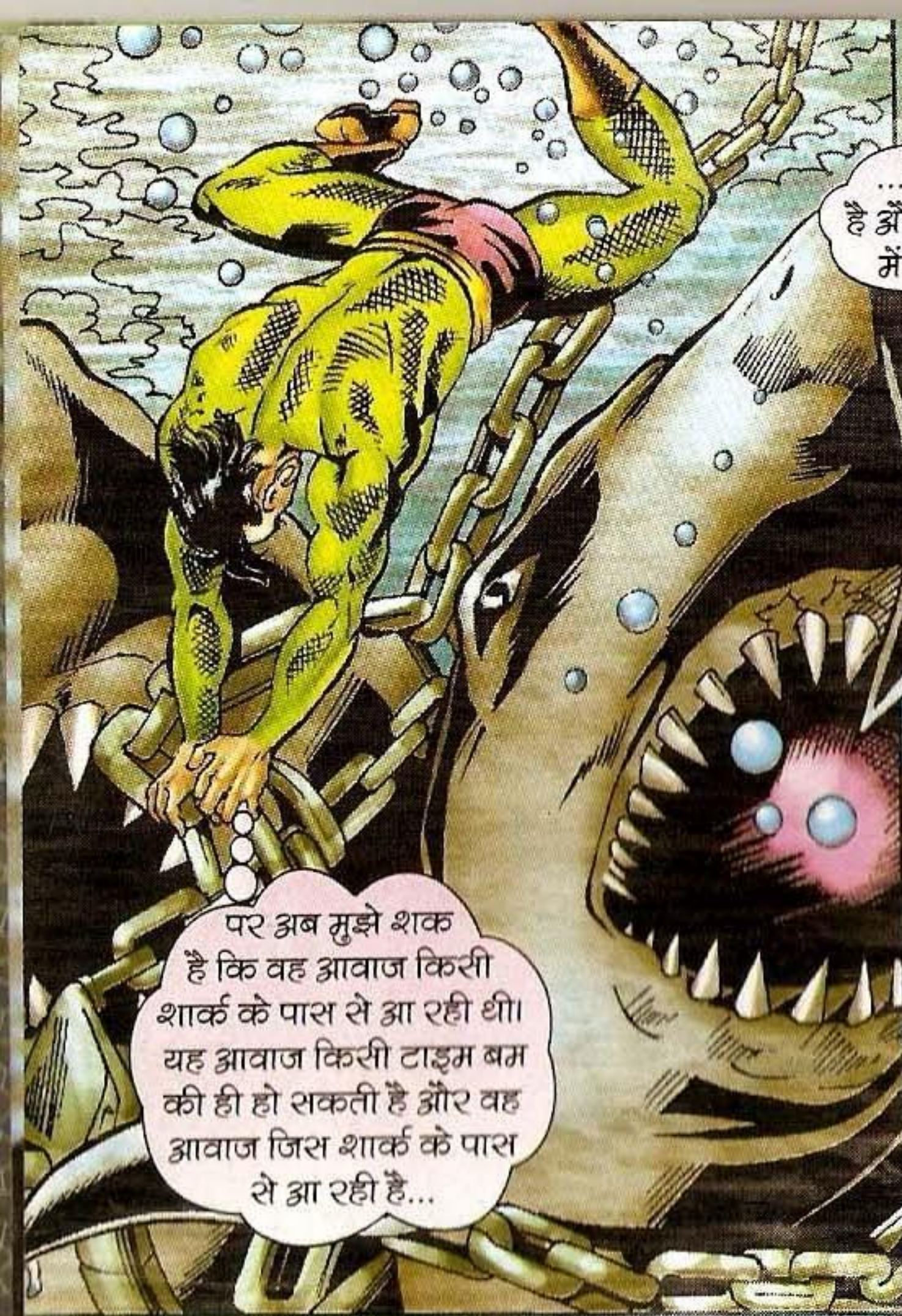
...वह शार्क ये वाली है और मुझे इसको काबू में करके यहां से....
पर अब मुझे शक है कि वह आवाज किसी शार्क के पास से आ रही थी। यह आवाज किसी टाइम बम की ही हो सकती है और वह आवाज जिस शार्क के पास से आ रही है...
...दूर ले जाना है! अरे! इसकी खाल तो खिंच रही है।
DEVEL FROM HELL
अब समझे, नागमणि कि कैमरा कहां लगा हुआ है। इस रडार शार्कट की आंखें ही कैमरा हैं।
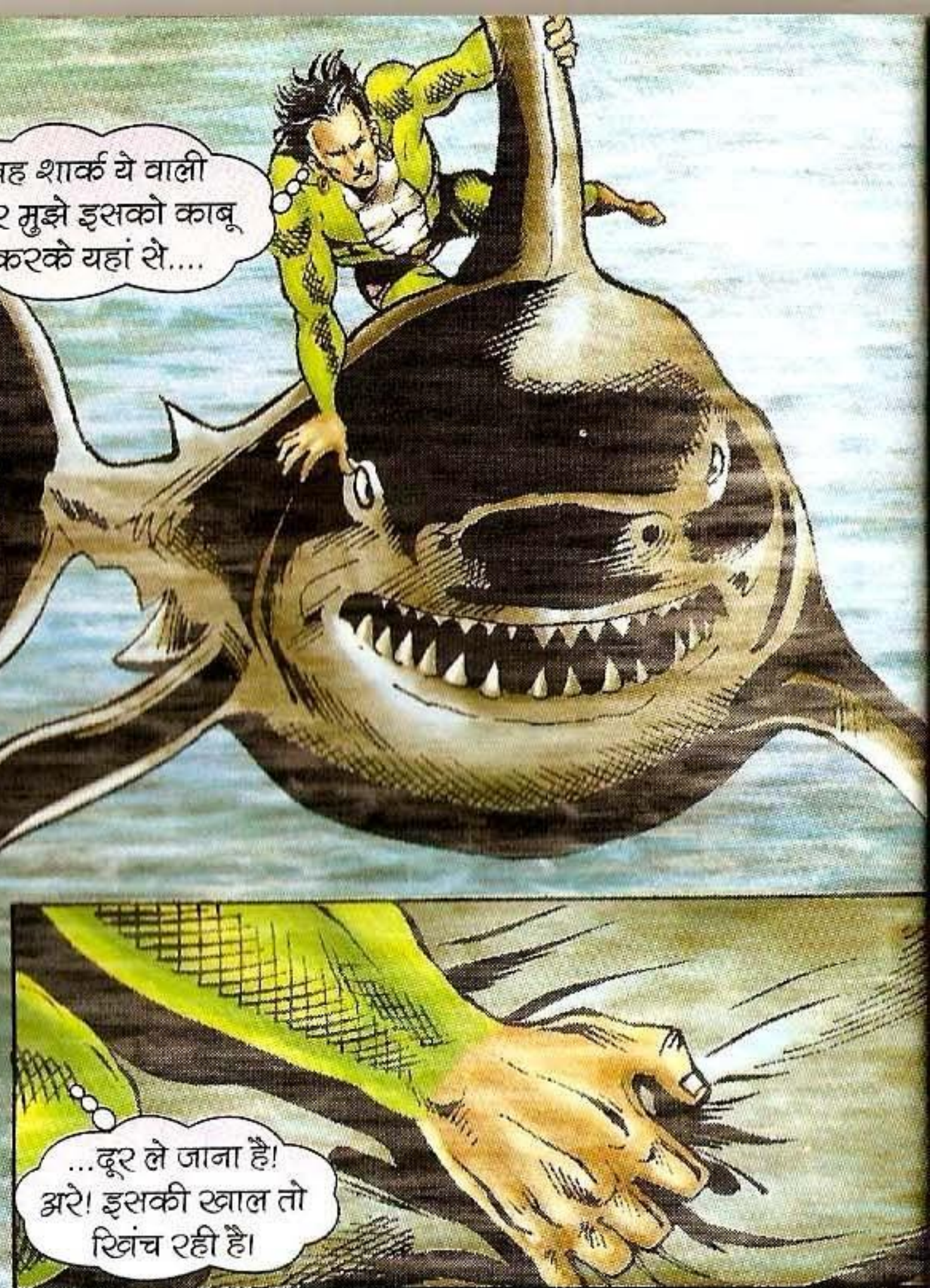
अब नागराज न टैंकर को बचा सकता है और न ही अपनी जान। क्योंकि ये शार्कट न तो शिप से दूर जाएगी और न ही नागराज से...
बूम्म!
एक तो यह मेकेनिकल है और दूसरे पानी के अंदर है!...
इसीलिए विषशक्तियां इस पर असर नहीं करेंगी! और दूसरी शार्क्स को मैं नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता! आऽऽह!
समय तेजी से सरक रहा था।
और नागराज के लिए खतरा बढ़ता जा रहा था।
00:02:35
ओफ्फ! यह मुझे बम तक पहुंचने का मौका नहीं देगी!
सुना है शार्क्स कुछ भी खा लेती हैं और खून की गंध से बहुत आकर्षित होती हैं।

मरने से पहले जितनी मूर्खता करनी है, कर ले नागराज! इन बॉम्ब्स को किसी भी तरह से डी एक्टिवेट नहीं किया जा सकता। ये फटेंगे और तेरे पास फटेंगे!
आत्महत्या हो या हत्या, तू मरेगा जरूर। क्योंकि ये प्लान सिर्फ तेरी मौत के लिए ही बनाया गया है।
नागराज के मरते ही एक बड़ा खतरा टल जाएगा! उसके बाद तुम भी निश्चिंत होकर काम कर सकोगे और मैं भी।
पर नागराज मरने के मूड में कतई नहीं था।
मेरे सांपों का खून शार्क्स को अपनी तरफ खींचेगा!
शार्क्स बॉम्ब्स को खींचेंगी और बॉम्ब्स के एक बार मेकेनिकल शार्क से अलग हो जाने के बाद...
...मैं इन बॉम्ब्स को...
शार्क्स से भी दूर कर दूंगा। थ्री... टू...वन...
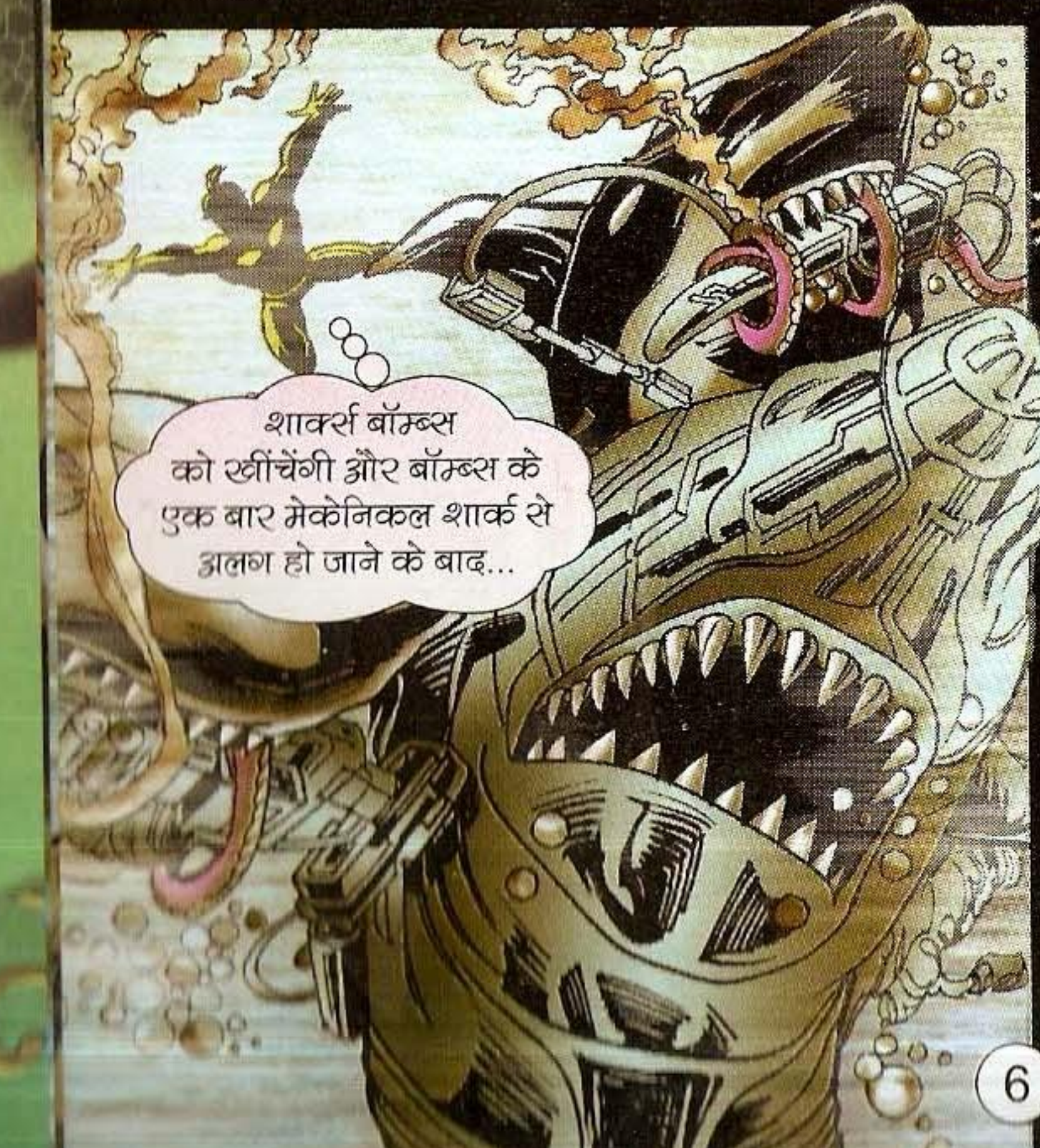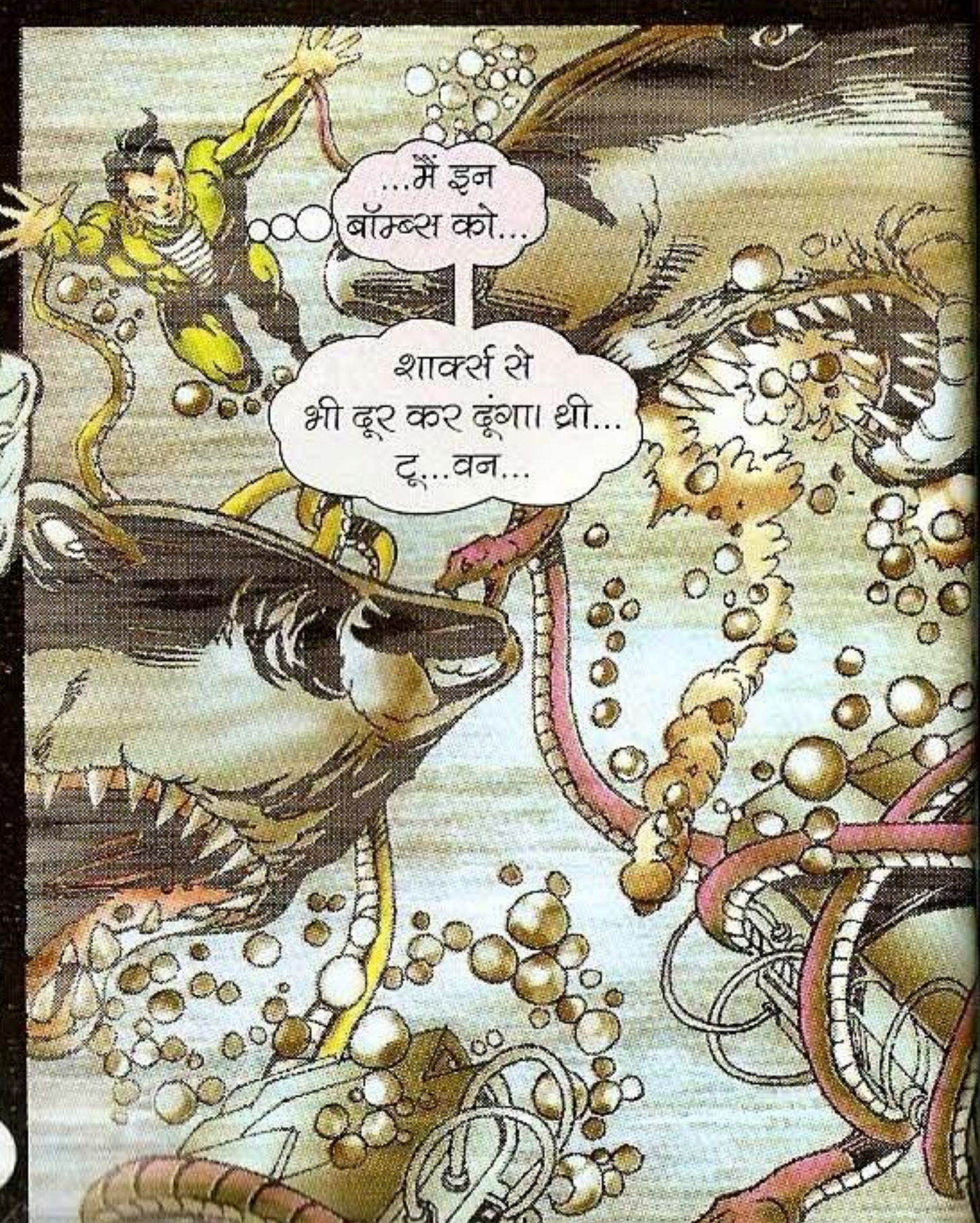
बूम्म्म
आधा खतरा टल गया है!
What the... नागराज! तू जीतेगा नहीं!
TRANSMISSION
अब खतरे को पूरी तरह दूर कर दूं!
अब मैं चैन की सांस ले सकता हूं!
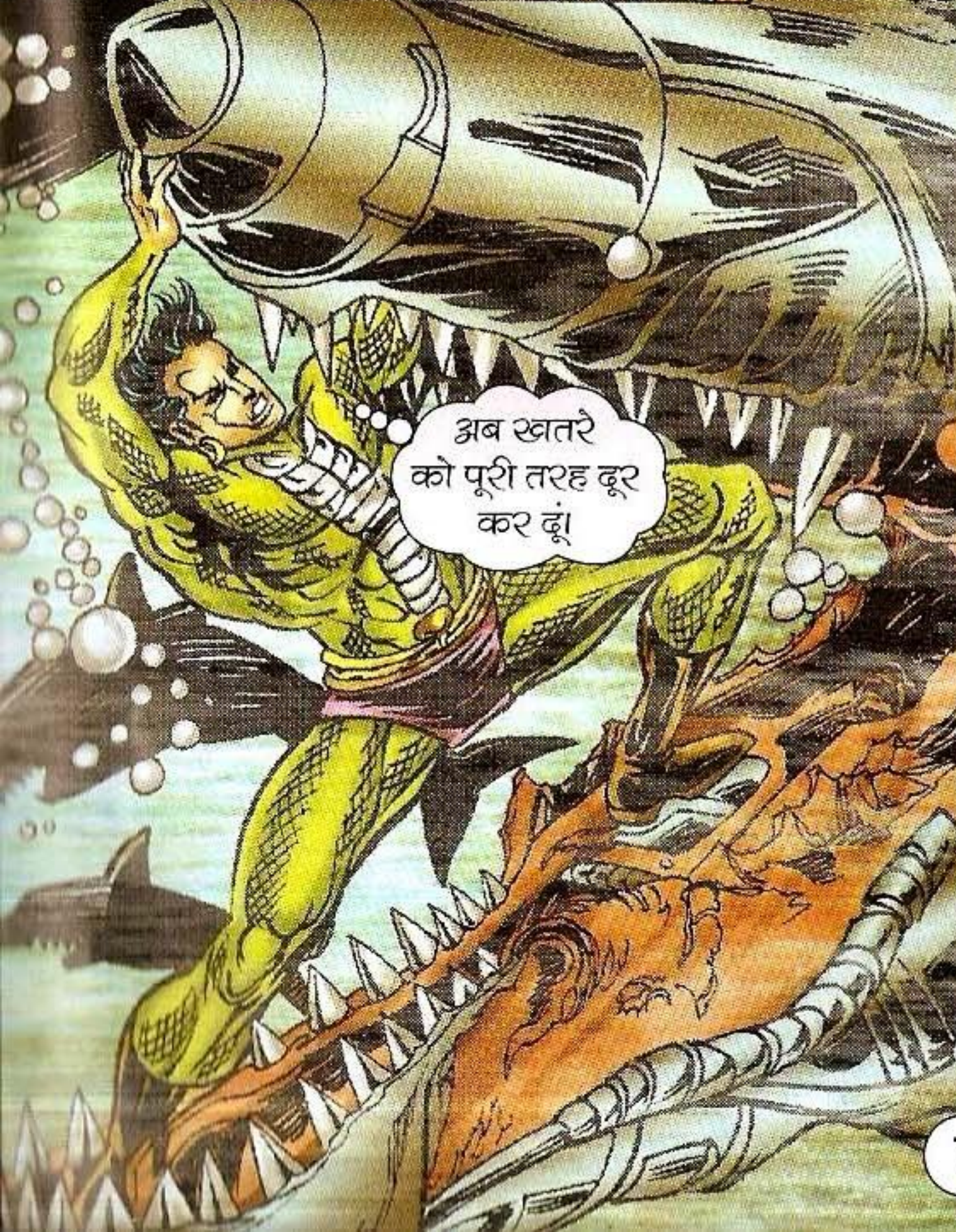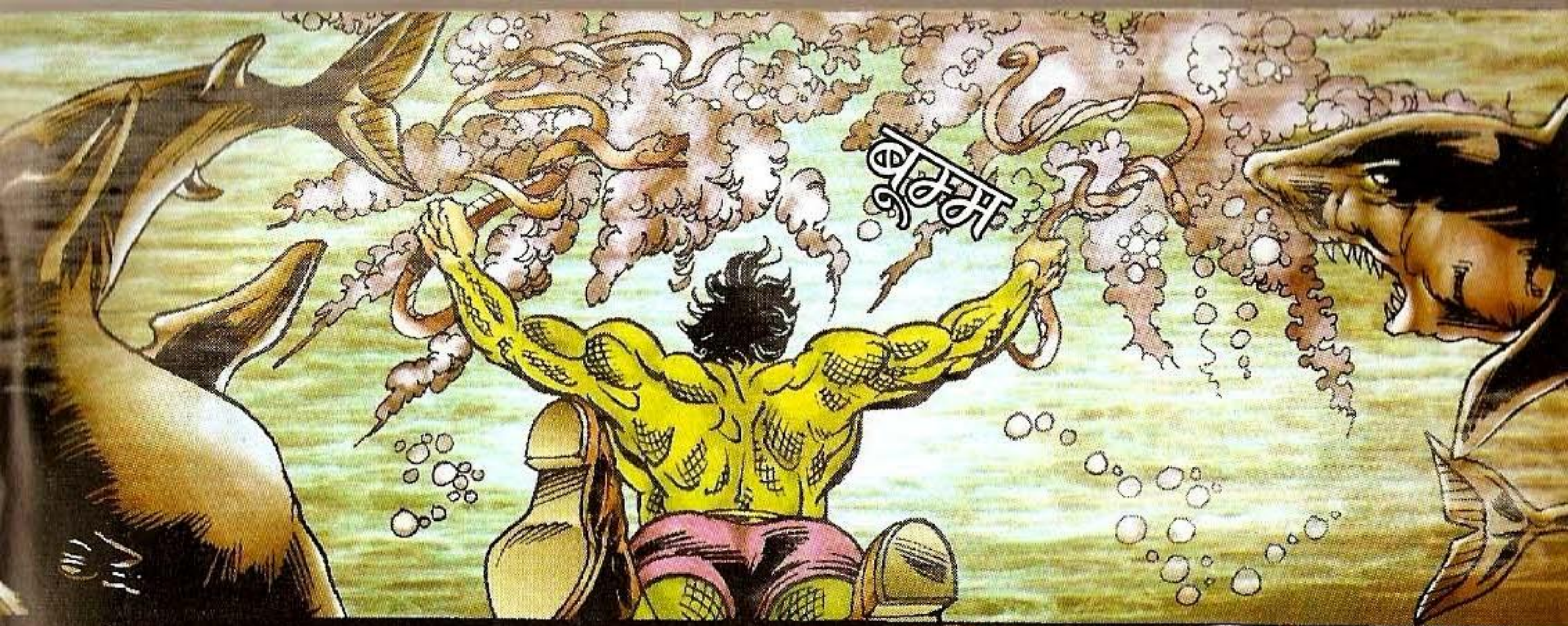
बूम्म
ये काम मुझे पहले ही कर देना चाहिए था।
पर ऐसा करने से भी नागराज मरा तो नहीं।
सवाल यह है कि नागराज पर सुसाइड-रे ने काम क्यों नहीं किया?
म...मैं कुछ बोलूं।
बोल!
दरअसल नागराज किसी पर रहम कर ही नहीं रहा था। यह तो उसका रोज का काम है। वह अपराधियों को जिंदा पकड़कर कानून के हवाले कर रहा था। ये फर्ज है रहम नहीं।
और जब तब वह रहम नहीं करेगा तब तक सुसाइड-रे उस पर असर नहीं करेगी।
यानी नागराज को तुम सुसाइड-रे की मदद से नहीं मार सकते।
मार सकता हूं। हम सभी जानते हैं कि नागराज का एक और रूप है...
और उस रूप का काम लोगों की रक्षा करना नहीं है। अगर उस रूप में नागराज किसी पर रहम करेगा...
तो सुसाइड-रे का असर उस पर भी जरूर होगा। बस, हमको नागराज के उस गुप्त रूप का पता लगाना है।

पचास रूपए स्क्वायर
फीट के हिसाब से 50,000 रूपए
महीने बनते हैं! बोलो हां या ना!
No discussion.
यही बात...मेरी
आंऽखों में आंऽखें डालकर
कहें, हेमल...भाई!
पचास...पचास
..पच्चीस!
हेऽऽऽऽमल
भाईऽऽऽ!
बीस...दस...
दस..अच्छा...
पांच!
अब कितना भी
हिप्नोटाइज कर लो, ये इससे
नीचे नहीं जाने वाला।
OK! हेमल भाई।
पांच हजार महीने में ऑफिस
दस साल के लिए हमारा हुआ।
लो साइन करो।

SNAKE EYES
हुर्रेSSS! अब ये ऑफिस हमारा हुआ।
मैं तो समझ रहा था एडवांस में बोर्ड बनवाना बेकार जाएगा। पर...क्या ये धोखा नहीं हुआ, सौडांगी?
इसको समझाना कहते हैं, शीतनाग! Persuation वैसे भी, इस ऑफिस का असली किराया यही होना चाहिए।
बस अब हमको एजेंसी को रजिस्टर्ड कराना बाकी है। उसके बाद हम बिजनेस के लिए तैयार होंगे।

सोचते हैं! मानवों की भलाई अगर उनसे सच छुपाने में है तो ऐसा ही सही।
और ये काम असंभव है। उसमें तुमको हर गॉर्ड के बारे में पूरी जानकारी देनी पड़ेगी। नाम,पता, जन्म तिथी! अब मेरा एड्रेस क्या दोगी? हिमालय की गोद में, गुफा नंबर 32!
मानवों की भलाई के बारे में सोचने का वक्त सचमुच आ गया था-
क्योंकि बुराई हवा, में घुली बदबू की तरह चारों तरफ फैलने लगी थी-
मेरी सेटेलाइट और मैनुअल सर्विलेंस के रिजल्ट के अनुसार ये कुछ भारती के अत्यंत करीबी लोग हैं। वेदाचार्य के अलावा इनमें से सभी, कभी न कभी भारती कम्युनिकेशंस के कर्मचारी रहे हैं या अभी भी हैं। इन सबको भारती ही लेकर आई थी।
नागराज इनमें से ही किसी एक को होना चाहिए।
ये कामटे है। भारती कम्युनिकेशंस का चीफ एकाउंटेंट! निकाल दिया गया। ये भारती का खास था।
एकाउंटेंट को कभी भी, कहीं भी जाने की आजादी नहीं मिलती। नागराज को ऐसा काम सूट नहीं करता। ये नागराज नहीं हो सकता।
ये शिखा है। भारती की पी.ए.!
ये लड़की? ननन! वह नागराज है! मर्दों का मर्द। वह अपने आपको लड़की रूप में नहीं छिपा सकता। आगे देखो।
तो कहीं... वेदाचार्य ही तो नहीं? O my god!
ओ भाई! इच्छाधारी नागों के भी रूप बदलने की कुछ सीमाएं होती हैं। वेदाचार्य, नागराज नहीं है।
तो क्या ये...?
हां! ये हो सकता है। कोई सपने में भी नहीं सोच सकता कि ये नागराज हो सकता है।
नागराज के गुप्त रूप को तलाशने की कोशिश की जा रही थी।

और वह उनकी पहुंच से दूर नहीं था!
ये क्या बोल रही है? ये गलत रिपोर्ट है!
ब्रेकिंग न्यूज में, नागराज के कारण भारत आने वाले एक विशाल टैंकर में आग लग गई और सारा तेल जल गया। आग बुझाने के तमाम प्रयास व्यर्थ हो गए!
नागराज द्वारा आतंकवादियों को रोकने में दिखाए गए गैर पेशेवर रवैये के कारण भारत और आसपास के क्षेत्रों में तेल की भीषण किल्लत पैदा हो गई है।
और इसका असर भी सामने आ रहा है। लोग मदद के लिए नागराज को बुलाने में हिचक रहे हैं।
आज की दूसरी बड़ी ब्रेकिंग न्यूज में दुनिया के अलग-अलग शहरों से पच्चीस हादसों की खबर आ रही है।
ये तो मेरे खिलाफ 'हेट कैंपेन' चला रहे हैं।
हर हादसे में लोगों ने अच्छे नागरिकों की तरह दूसरों की मदद की और फिर बगैर किसी कारण के आत्महत्या कर ली। कोई भी इसके कारण को बता नहीं पा रहा है।
अब्दुल!
क्या?
टैंकर पर एक आतंकवादी ने बंधक को मारने से मना किया और फिर... खुदकुशी कर ली।
रहम...फिर खुदकुशी!
उसने बंधक की जान नहीं ली। रहम दिखाया और मारा गया। ऐसा अबू करीम ने भी कहा था।
तब तो अबू करीम इस गुत्थी को सुलझाने का एकमात्र जरिया है।
अबू करीम से मैं पूछताछ कर चुका हूं। उसको यह बात उसके कमांडर ने बताई थी। जो अफगानिस्तान में है। वह ज्यादा कुछ नहीं जानता।
अच्छे लोगों की जानें जा रही हैं और यह पता नहीं चल पा रहा है कि पूरी दुनिया में ये उथल-पुथल किस कारण से हो रही है? Damn it!
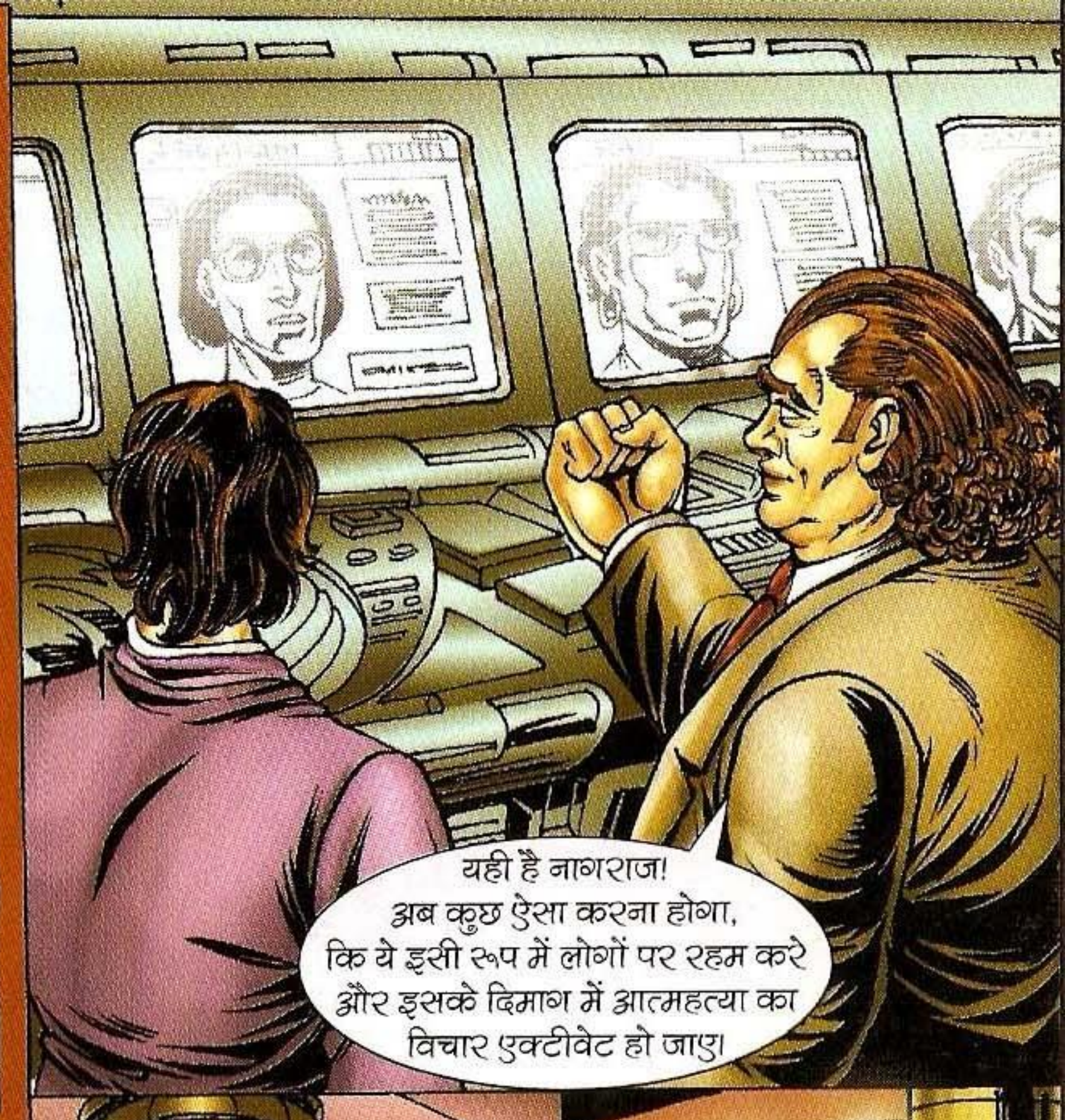
कारण तुम हो नागराज! अभी टैंकर पर हुआ हमला, टैंकर पर नहीं, तुम पर था! ये पूरा प्लान तुम्हे मारने के लिए था।
और ये हमला दोबारा होगा। तुम्हे सतर्क रहना होगा। कहीं...नागराज आत्महत्या न कर बैठे।
वेदाचार्य के अंदर आने वाली विपत्ति को भांप लेने की शक्ति थी।
यही है नागराज! अब कुछ ऐसा करना होगा, कि ये इसी रूप में लोगों पर रहम करे और इसके दिमाग में आत्महत्या का विचार एक्टीवेट हो जाए।
लोगों पर रहम करने की नौबत तभी आएगी जब उन पर खतरा आएगा...
"और वह खतरा कहां से आएगा यह मुझे अच्छी तरह से पता है"
पर...अब तो मेरा एकाउंट क्लियर कर दो। मुझे नौकरी छोड़े हुए दो महीने हो गए हैं! ...अरे भई, मेरा भी कुछ खर्चा है।
I know! राज लेकिन अभी ऊपर से तुम्हारे चेक की क्लियरेंस नहीं आई है। मैं क्या कर सकती हूं?
राज सर! आप यहां?
DEVIL FROM HELL

What a pleasant surprise Raj Sir!
अहम्मम!
म...मेरा मतलब ..राज! कैसे आना हुआ आपका...तुम्हारा?
इन्होंने मेरी एक महीने की सैलेरी रोक रखी है। वही लेने के लिए चक्कर काट रहा हूं।
ये इनकी आपको परेशान करने की साजिश है। सैलरी तो ये आपको कभी नहीं...
छनाक
...देंगे। What?
ये क्या?
बाहर कोई जबरदस्त न्यूज स्टोरी शेप ले रही है।
आज फिर चेक मिलने का मौका गया। खैर देखना पड़ेगा? कि बाहर क्या हो रहा है?
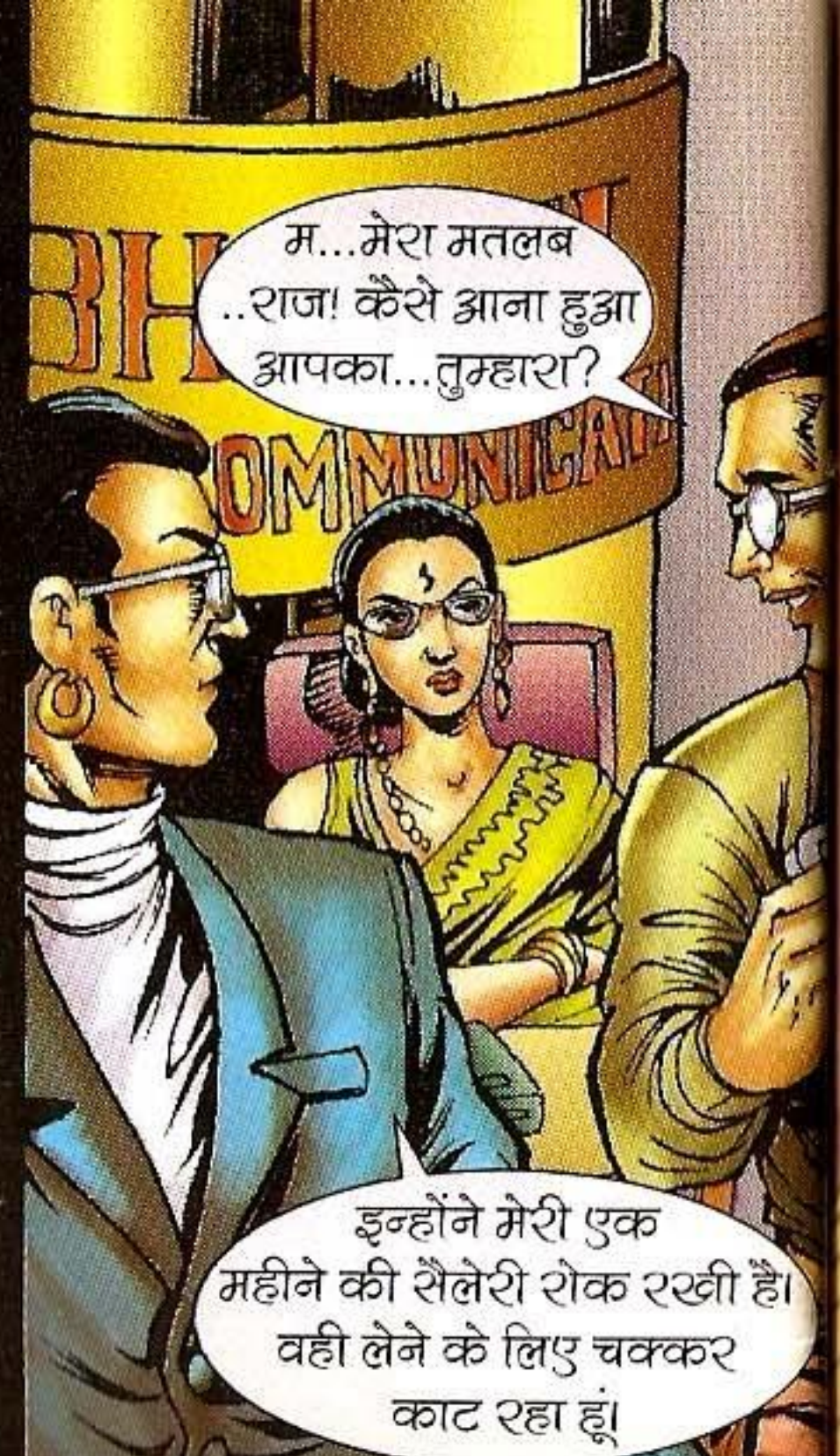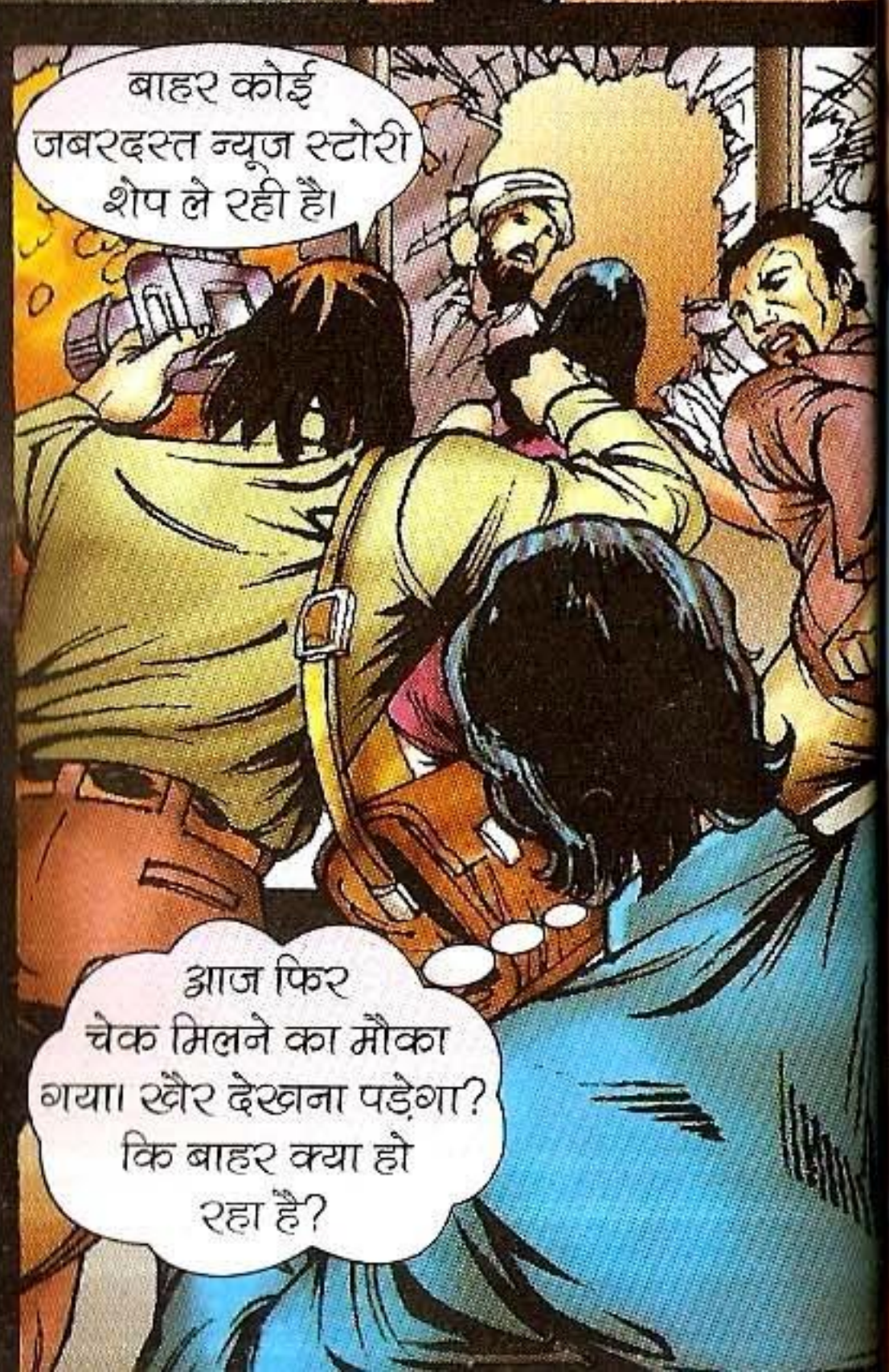
ड्रैगन! वह भी आग उगलता।
एक ही जगह मिलते हैं।
कहानियों में!
ये सजीव होकर यहां पर कैसे आ गया? नहीं-नहीं। सही सवाल ये होगा कि इसको यहां पर किसने भेजा है और क्यों भेजा है?
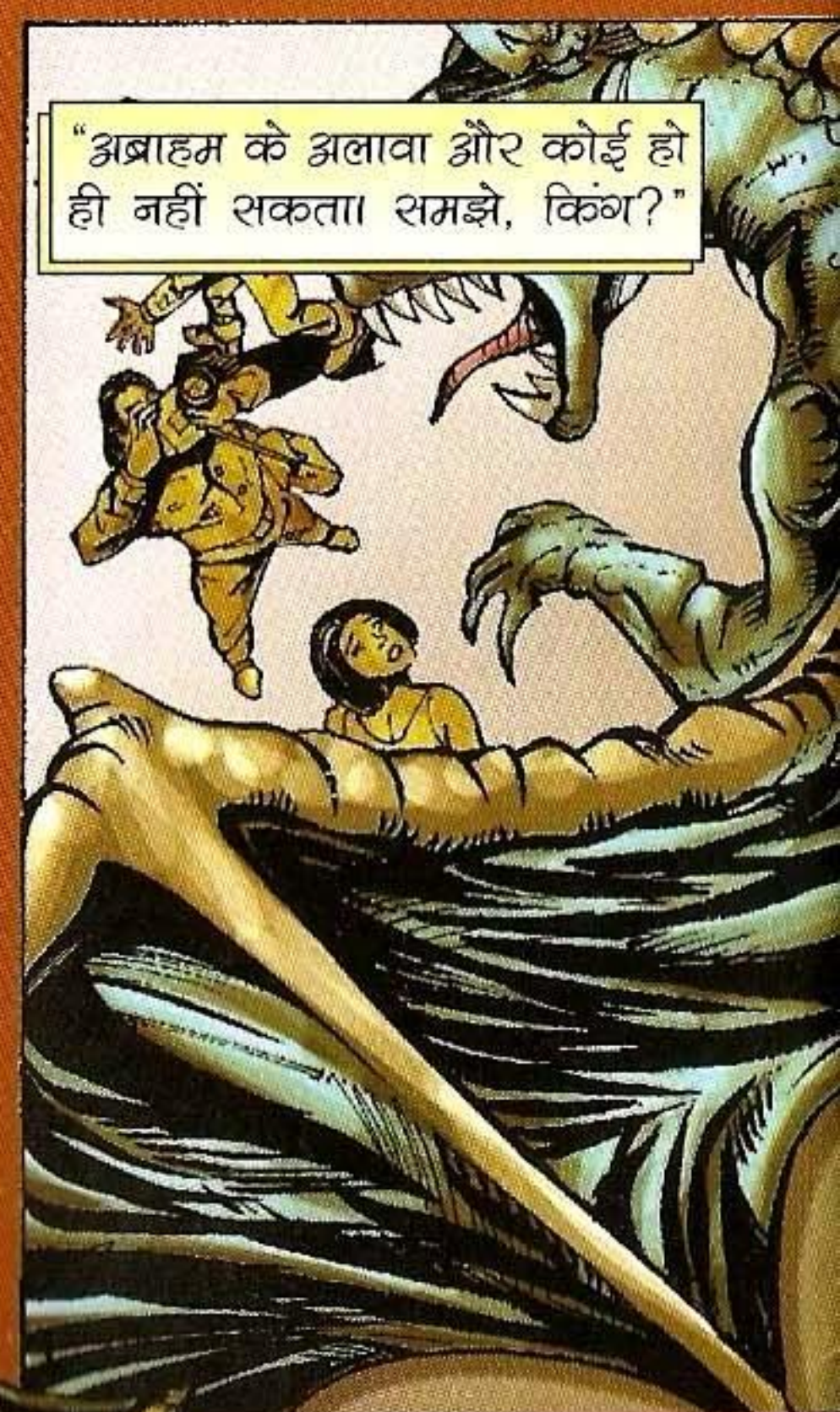
ड्रेगनॉर को मैंने एकदम सही समय पर और सही जगह पर भेजा है। Good Work Partner नागमणि। तुम्हारी इन्फॉर्मेशन एकदम करेक्ट लगती है।
जब मेरे आदमी ने मुझे बताया कि ये राज के अपार्टमेंट से निकला था और उसके थोड़ी देर बार नागराज टैंकर पर नजर आया था, तो मैं समझ गया था कि नागराज...
"अब्राहम के अलावा और कोई हो ही नहीं सकता। समझे, किंग?"
"समझा, पार्टनर! अब बस, ऐसा दांव चलाना है कि नागराज अपने गुप्त रूप में ही लोगों को बचाने पर मजबूर हो जाए।"
"अब उसके पास रूप बदलने का मौका भी नहीं है।"
"क्योंकि पृथ्वी, पृथ्वी से टकराने वाली है।"
"पर नागराज लोगों को बचाने के लिए कुछ कर क्यों नहीं रहा
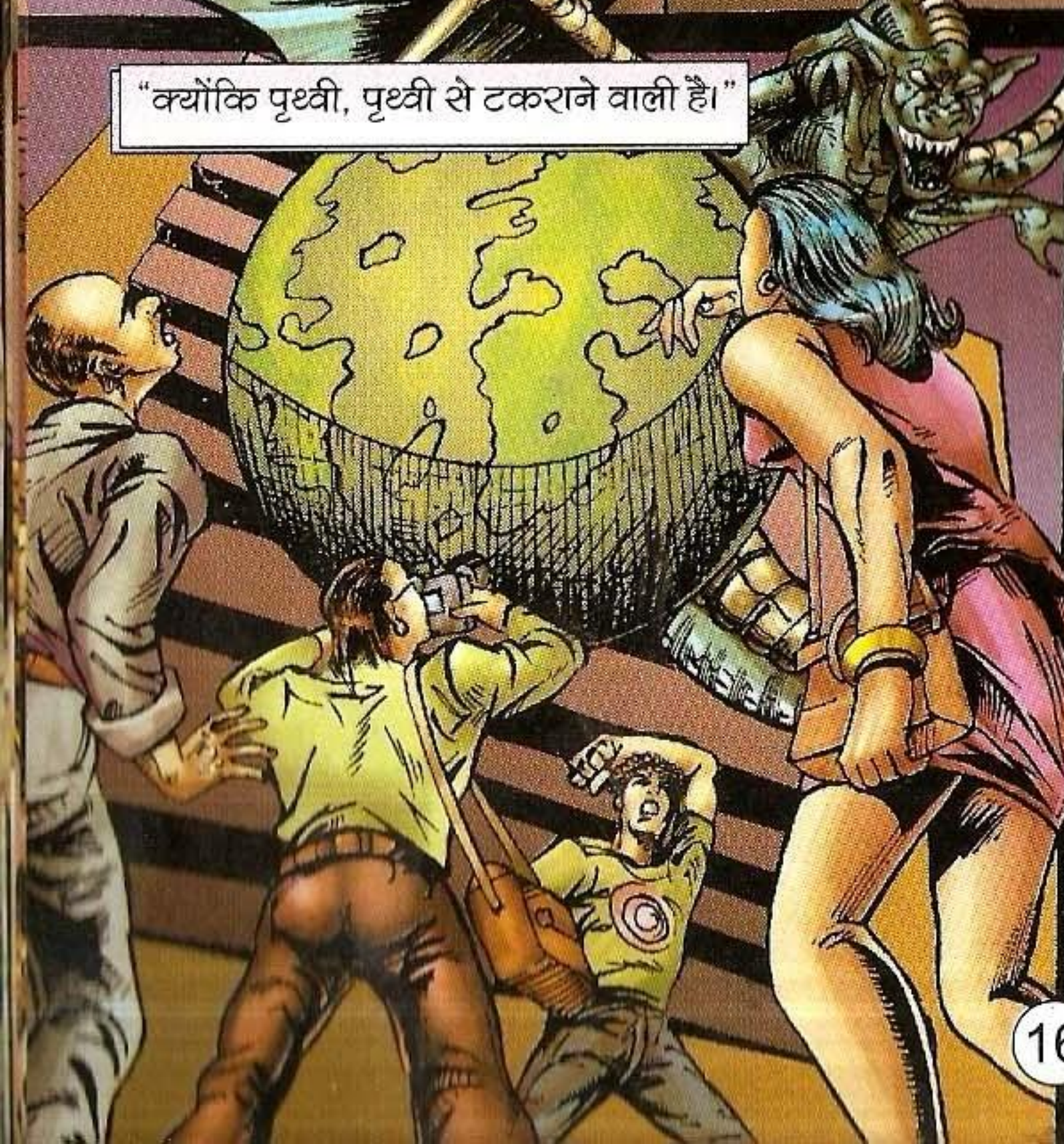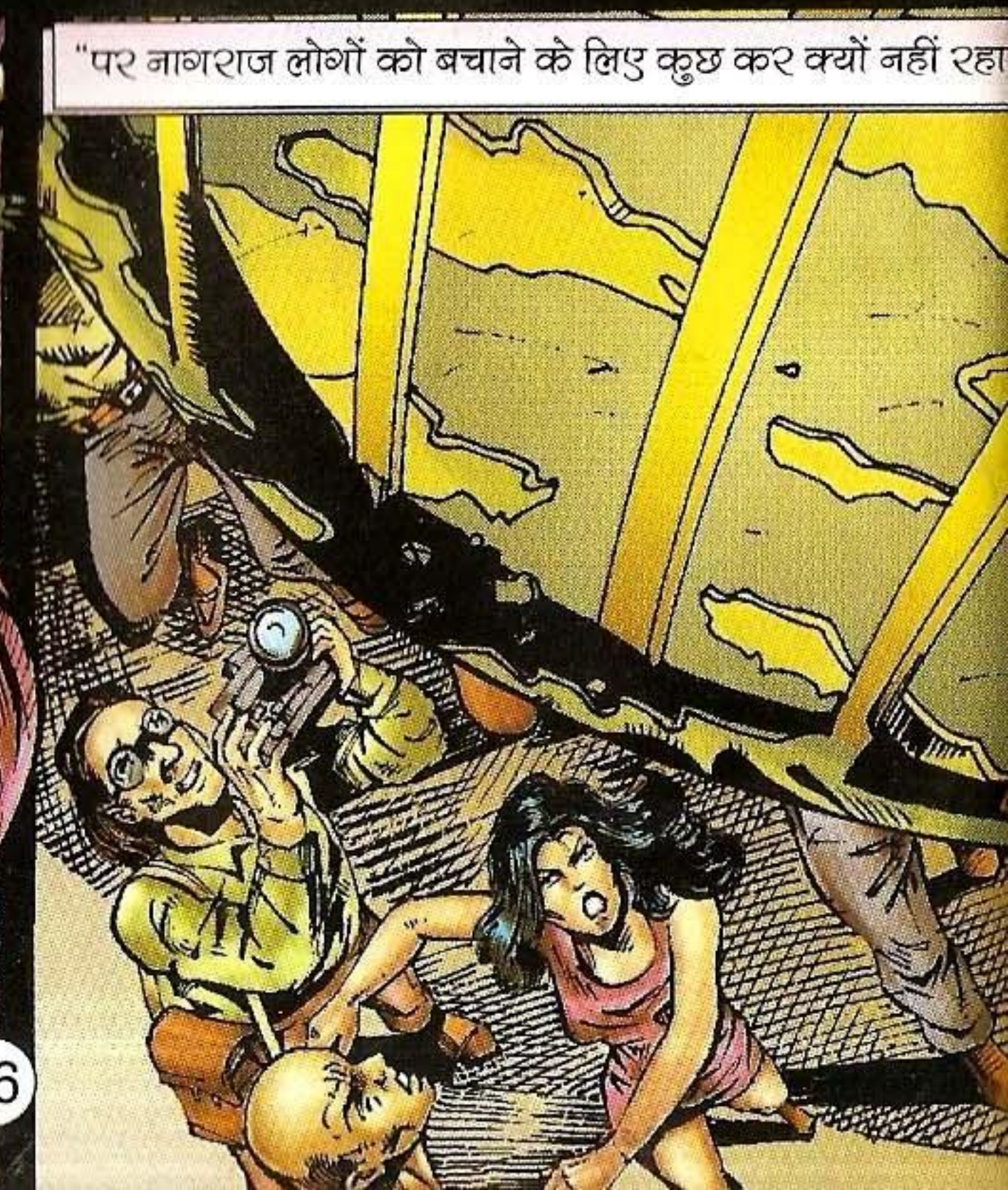
किंग और नागमणि का 'नागराज'
खुद ही 'नागराज' को याद कर रहा था।
नागराज!... बचाओऽऽऽ!
ये ग्लोब हवा में ही रुक गया? कैसे?
ये कायर राज...नागराज है।
क्या सोचा था और क्या निकला।
Thank god Nagraj! तुम समय पर.. What? राज!
राज...नागराज है!! Impossible
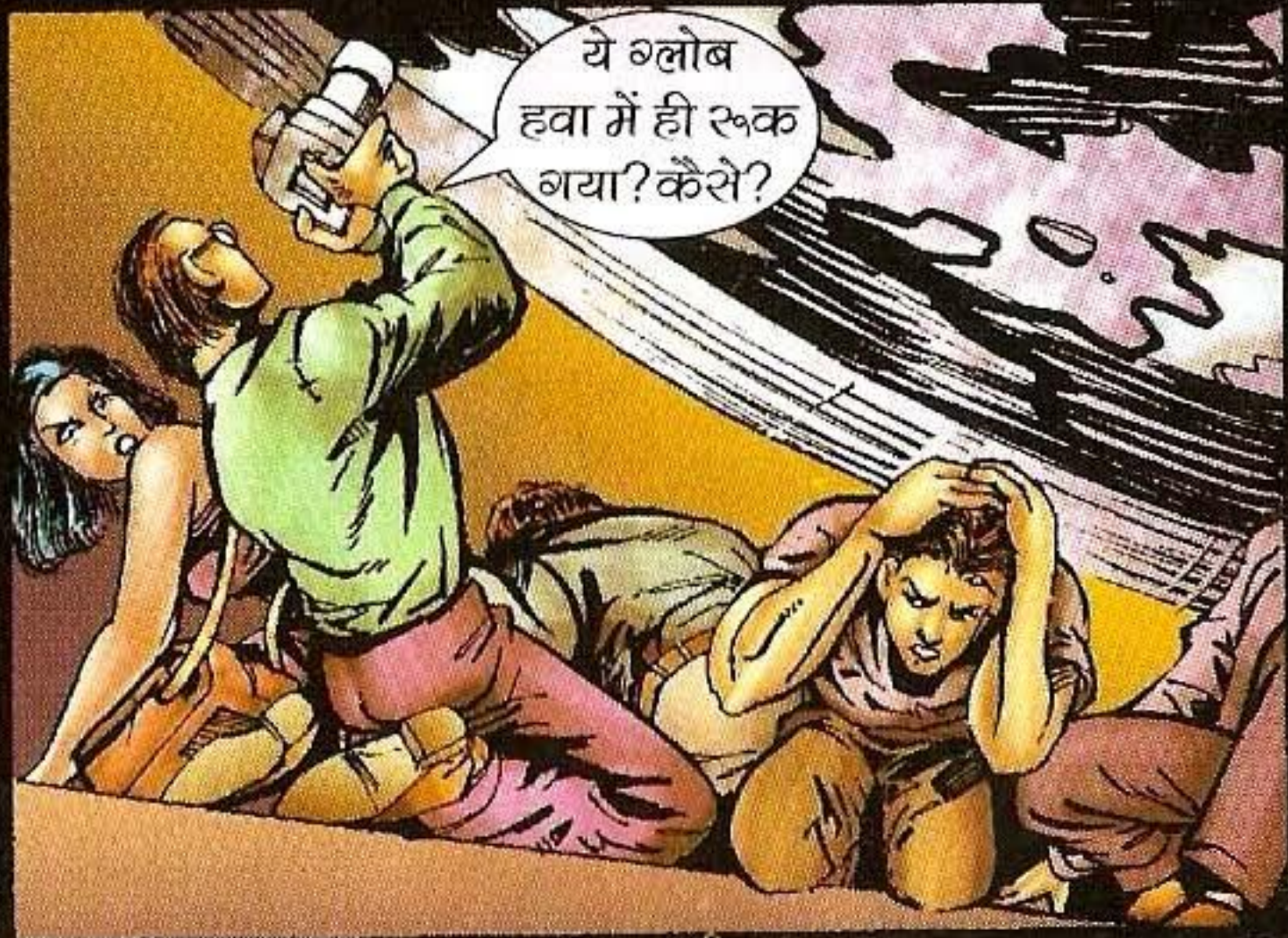
"लेकिन अंधे के हाथ बटेर तो लग ही गई है ना।"
"नागराज आ भी गया है और राज के रूप में उसने लोगों को बचा भी लिया है।"
"यानी अब वह सुसाइड-रे के असर से नहीं बच पाएगा।"
राज सर, आप...आप ही नागराज हैं या फिर...
तुझे अभी भी शक है, अब्राहम? इस 'ग्लोब' को नागराज के अलावा भला और कौन थाम सकता था?
अरे, कैमरा लाओ। शूट करो। ये तो सुपर ब्रेकिंग न्यूज है!!
ओफ्फ! मुझे... मुझे बेचैनी सी क्यों लग रही है?
ऐसा लग रहा है जैसे मैं किसी गहरी खाई में कूद जाऊं तो शांति मिले!
ओफ्फ! ये क्या हो गया? जिस रहस्य को छुपाने के लिए मैंने अपना पूरा कैरियर दांव पर लगा दिया, वह रहस्य इतनी आसानी से खुल गया।
कमाल है, यार! ये राज कभी-कभी न्यूज पढ़ने भी आता था। कौन सोच सकता था कि यही नागराज होगा।
तुम आदमी लोग अपना असली रूप छुपाने में माहिर होते हो।
अब नागराज कुछ और बनकर रहेगा क्या?
"पहले ये पूछ, कि ये रहेगा या नहीं? ड्रेगन इस पर आग छोड़ रहा है और यह कुछ भी नहीं कर रहा है।"
इस बार नागराज पर आत्महत्या करने की धुन सवार हो रही थी।

...नागराज के शरीर से बाहर, मानवों के बीच में रहना है।"
बेचैनी बढ़ती जा रही है। पर मुझे पहले लोगों पर मंडरा रहे इस खतरे को दूर करना है।
और खतरा है इस ड्रेगन के मुंह से निकलती आग! जिसको ये सांस के जरिए निकालता है।
यानी इस आग और ड्रेगन को रोकने का सबसे सीधा तरीका...
इसकी सांस रोक देना है।
इसका तो दम घुट रहा है। क्या ये, मशीनी नहीं है?
नहीं। ऐसे मैंने कई विषहीन सरीसृप अजूबे छुपाकर रखे हुए हैं।
तुम तो सस्पेंस बढ़ाते ही जा रहे हो। कौन हो तुम?
बताऊंगा।
आऽऽऽह! लगता है कई पसलियां टूट गई हैं।

तड़ाक
आहा! नागराज का मरता हुआ चेहरा कितना अच्छा लग रहा है।
मैंने सोचा था कि मुझे भी ऐसा ही लगेगा! पर लग नहीं रहा है।
हुऊ! सोच रहा हूं कि मरते-मरते नागराज को एक खास नजारा दिखा दूं...
"उनकी मौत का नजारा जिनको बचाने में नागराज ने अपना पूरा जीवन लगा दिया।"
"आम निर्दोष इंसानों की मौत का नजारा।"

नागराज का जीवन एक प्रण है।
लाचार मजबूरों को जालिमों के जुल्म से बचाने का प्रण। और जब तक यह प्रण पूरा नहीं होगा...
नागराज के प्राण निकल नहीं सकते।
चाहे उसकी पसलियां टुकड़े-टुकड़े हो चुकी हों।
चाहे उसके पैर खड़े होने से इंकार कर रहे हों।
ऐसे
ये तो...मौत को चुनौती दे रहा है। असंभव!
जब तक विनाश नहीं मरेगा। विनाशक नहीं मरेगा! तुम्हारा ड्रेगन तो गया।
यह ड्रेगनार को मारेगा! कैसे?

धप्पप्प!!
इसने इस हालत में...ग्लोब को उठा लिया! और...और सौ फुट ऊपर उछाल दिया!!
"यह समझना ज्यादा मुश्किल नहीं है कि नतीजा क्या होगा।"
अब तुम्हारे ड्रेगन की आग बाहर नहीं आ पा रही है। बल्कि उसके अंदर की तरफ बढ़ रही है।
"उस वक्त मैं यह नहीं जानती थी..."
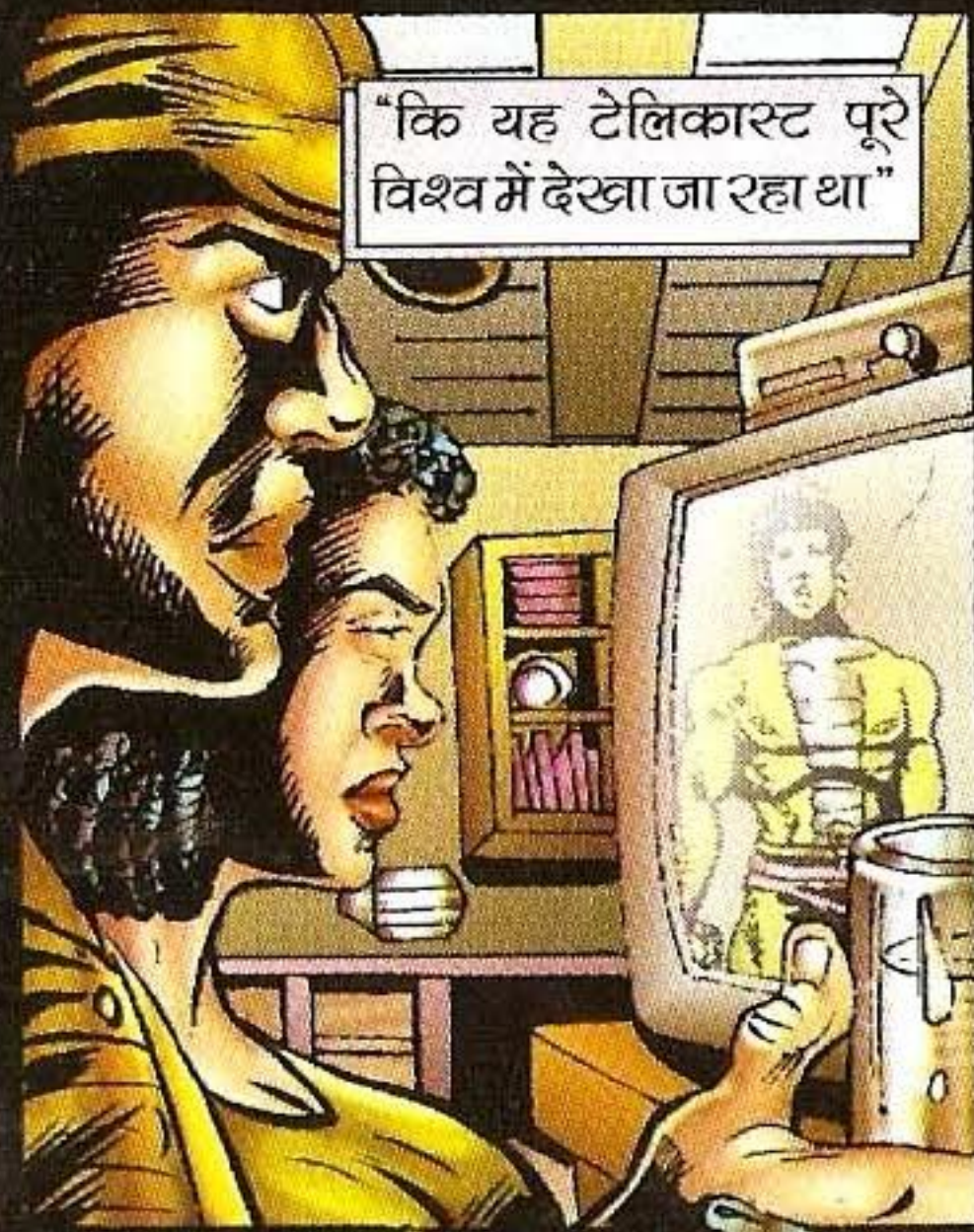
"कि यह टेलिकास्ट पूरे विश्व में देखा जा रहा था"
"कोई देखने के लिए जगा हुआ था।"
"तो कोई जागकर देख रहा था"
"सबके लबों पर नागराज की सलामती के लिए दुआएं थीं।"
"पर दुआएं भी क्या करती, जब नागराज की बेचैनी मौत के आगोश में जाकर ही दूर होनी थी।"
ग्लोब तक के टुकड़ों में सबसे बड़ा टुकड़ा एक इंच का था। नागराज का तो उतना अवशेष भी नहीं मिला। हमने पहले कई बार नागराज का शरीर छोड़ा था। पर यह ख्याल हममे से किसी को भी नहीं था कि अब हमको वापस जाने का मौका कभी नहीं मिलेगा। हमको तो बस एक ही ख्याल था..

"कि हम कैसे नागराज की आंखों बन जाएं। कैसे हम राज की खो रही इज्जत को वापस ले आएं।"
माल! या जान!
हुम!
हाहाहा। तुम लोग नए डकैत लगते हो। ये ग्लोब बैंक की हेड ब्रांच है बच्चों!
CASHIER DEPOSITS
DEPOSIT
इसको सिर्फ एक ही हालत में लूटा जा सकता है। सपने में।
क्योंकि इसकी सुरक्षा रिटायर हुए ब्लैक कैट कमाण्डोज करते हैं। कैट सिक्योरिटी के गार्ड्स।
पिस्तौल फेंक दो।
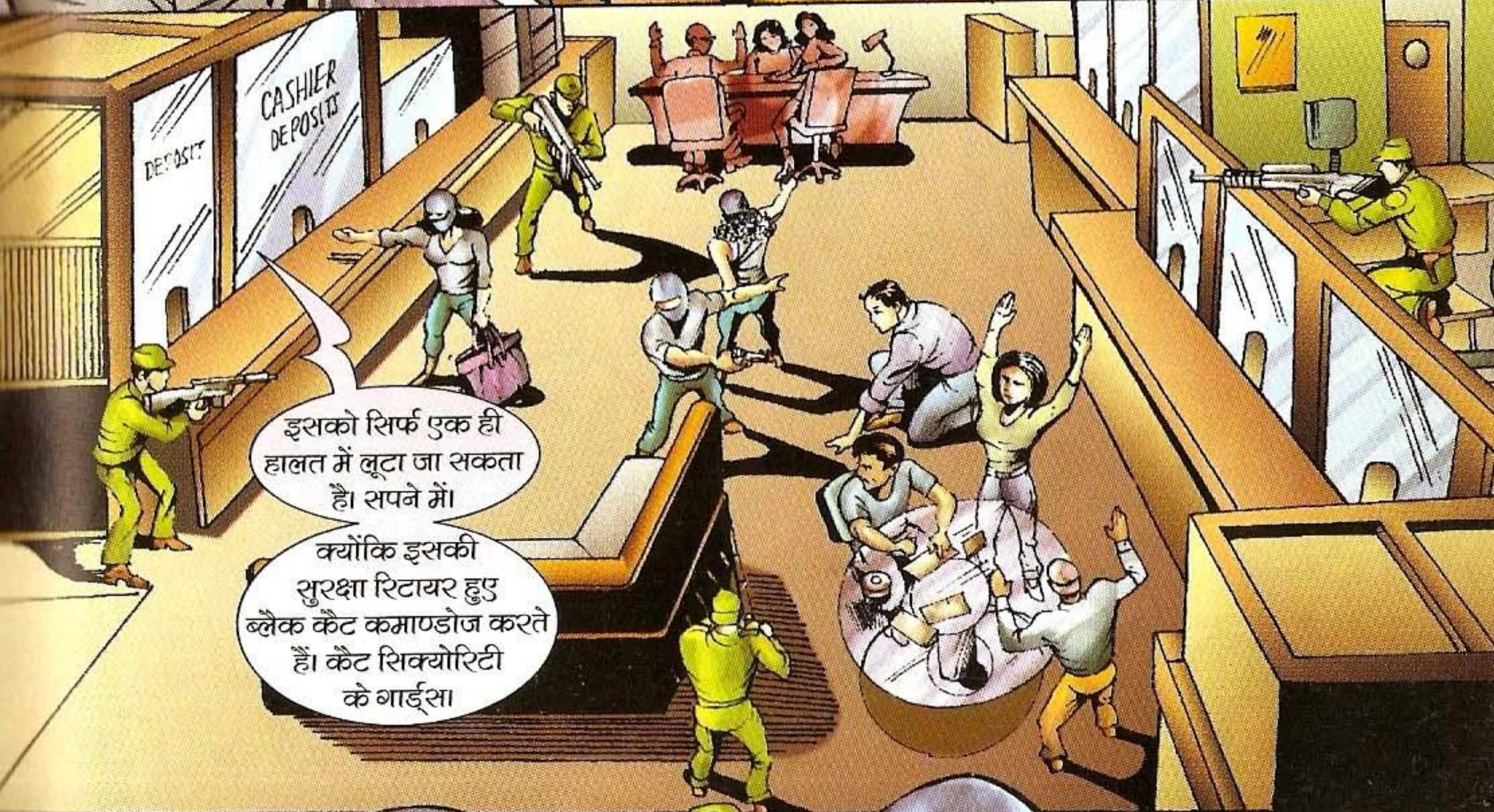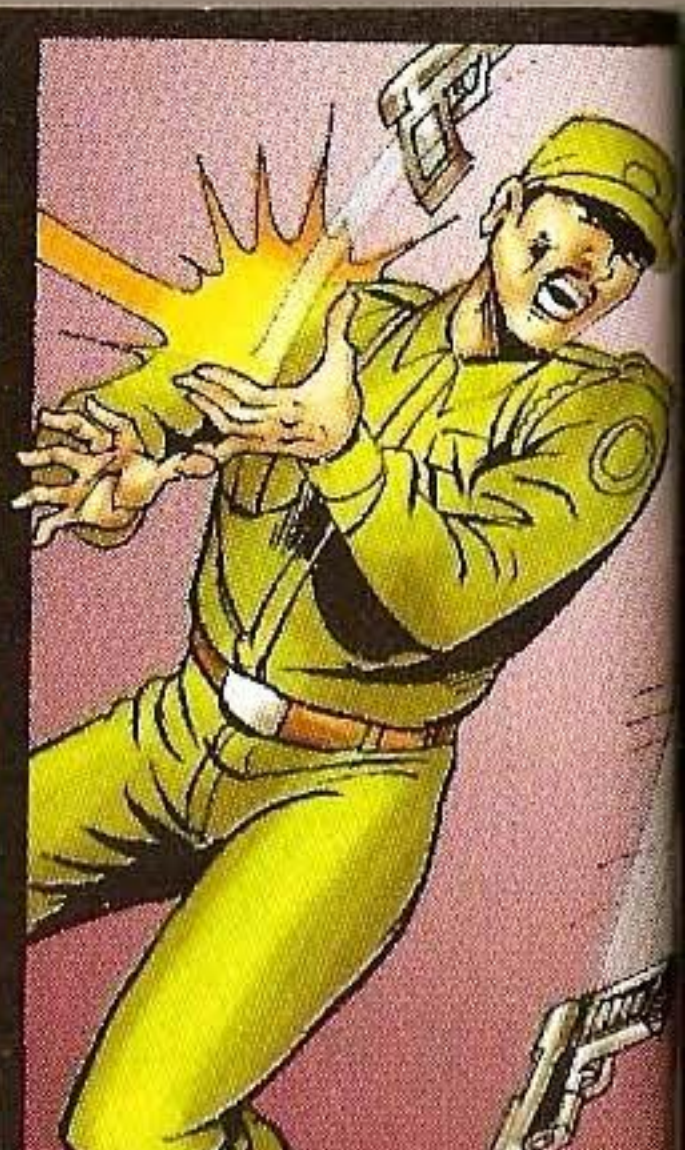
अरे! ये गन तो नकली है।
असली खरीदने लायक पैसे होते तो बैंक लूटने की जरूरत क्यों पड़ती।
बैंक लूट पाने का सपना देखना छोड़ दो।
चार के खिलाफ तीन! ये तो फाऊल है।
हम न तो बेईमानी करते हैं, न सहते हैं
झगड़े का टाइम नहीं है। चार के खिलाफ एक लड़ेगा।
मैं! मैं!
ये लूट हो रही है या किसी फिल्म का शूट?
S.C. RED
SR. MAN

Wait! Wait!
ये हो क्या रहा है?ये बैंक डकैती है...
ये एक डिमॉन्सट्रेशन था..
मैं मिस डांगी हूं, 'स्नेक आईज' सिक्योरिटी की पार्टनर! हम आपको दिखाना चाहते थे कि हमारे गॉर्ड आपके गॉर्ड्स से कितने सुपीरियर हैं।
हमारे गॉर्ड्स सुपर ट्रेन्ड हैं, सर! और बहुत विश्वासपात्र भी। हम आपके बैंक की हर ब्रांच की सिक्योरिटी करना चाहते हैं।
मैं..बहुत प्रभावित हुआ। मिस डांगी। इस शहर की हमारी पचास ब्रांचेज की सिक्योरिटी आपको दी जाती है। तीन महीने के लिए ट्रायल बेसिस पर।
...या कोई डिमॉन्सट्रेशन?
Thank you sir!
मैं दूसरे कॉरपोरेट्स से आपकी सिफारिश भी करूंगा। Iam very impressed
"हमने पहला किला फतह कर लिया था।"

GLOBE BAN
HEAD OFFICE ...MBA TOWERS
ATM
कमाल का आईडिया था, सौडांगी!
नागिन को नागों से कम कभी मत समझना। अब मैं ये खुशखबरी नागराज को दूंगी...
...मानसिक तरंगों के जरिए!
"पर मानसिक संपर्क तो तब बनता"
"जब नागराज का मानस मौजूद होता"
त..तुम सबने भी वही महसूस किया...
जो मैंने किया?
हां! नागराज से मेरा बॉयोलॉजिक संपर्क एकाएक टूट गया।
मेरा भी!
शायद हम सबका!
"यह पल शायद वही था, जब नागराज को ड्रेगन की आग ने पलभर में राख के गुबार में बदल दिया था।"
"पर हमको यह जानना अभी बाकी था।"
नागराज कहां पर है यह जानना जरूरी है। भारती जानती होगी।
भारती!... सौडांगी!
सौडांगी! यानी नागराज बच गया। Thank God
टी.वी. पर देखने से तो ऐसा लगा कि वह बचेगा नहीं।
टी.वी. पर ये तुम क्या बोल रही हो, भारती?

"क्या तुम नागराज के साथ नहीं हो, सौडांगी!"
"नहीं! कहां है नागराज? क्या हुआ उसको?"
"वह...भारती कम्युनिकेशंस के सामने"
"सुबक..."
"क्लिक!"
"टींSSSS!...टींSSS"
नागराज कहां है?
नागराज...गया! उसने आत्महत्या कर ली। वह बच सकता था। बच सकता था।
पर वह हिला तक नहीं। और...जलता हुआ ड्रेगन...
उसके ऊपर गिर गया। O Gesus O Gesus!
ये देखो! नागराज का बूट!
ये उसकी बेल्ट! आग से गल गई है।
हमने उसका शरीर छोड़ा और वह खुद अपना शरीर छोड़ गया। अब यहां पर करने को कुछ नहीं है। चलो।
बस एक काम करना है। यह पता करना है कि वह ड्रेगन कहां से आया था।
"धीरे-धीरे हमको पूरी घटना का पता चल गया। हमने स्नेक आईज के गॉर्ड्स को बहुत तेजी से पूरे महानगर में फैला दिया।"
पर हमको यह पता नहीं चला कि वह ड्रेगन कहां से आया था। बस इतना समझ में आया कि नागराज के मरने के बाद हर उस शख्स को स्पेशल पुलिस फोर्स पकड़ना चाहती थी जिसका नागराज से जरा सा भी संबंध रहा हो।

यानी नागराज के दुश्मन काफी शक्तिशाली हैं और उनका संबंध वी-नॉम से भी जरूर है।
पर उस अजनबी का संबंध किससे है? कौन है वह जो दुनिया को अपने ईशारों पर नचाना चाहता है?
BHARTI CHANNELS
BHARTI COMMUNICATION
Corporate Office
BHARTI NEWS
HEAD OFFICE
यह सच है कि महानगर में अभी भी कुछ रहस्यमय लोग अपराधों से लोगों की रक्षा कर रहे हैं। और रहम करने के बावजूद वे आत्महत्या नहीं कर रहे हैं...। पर इस बात का कोई सबूत नहीं है...
...कि वे इंसानों के रूप में इच्छाधारी नाग हैं।
अगर वे इच्छाधारी नाग नहीं है तो नागराज के शरीर में रहने वाले इच्छाधारी नाग कहां गए?
वे नागराज के साथ ही भस्म हो गए! उनको उसका शरीर छोड़ने का समय ही नहीं मिला।
ये तुम इतने दावे के साथ कैसे कह रहे हो?
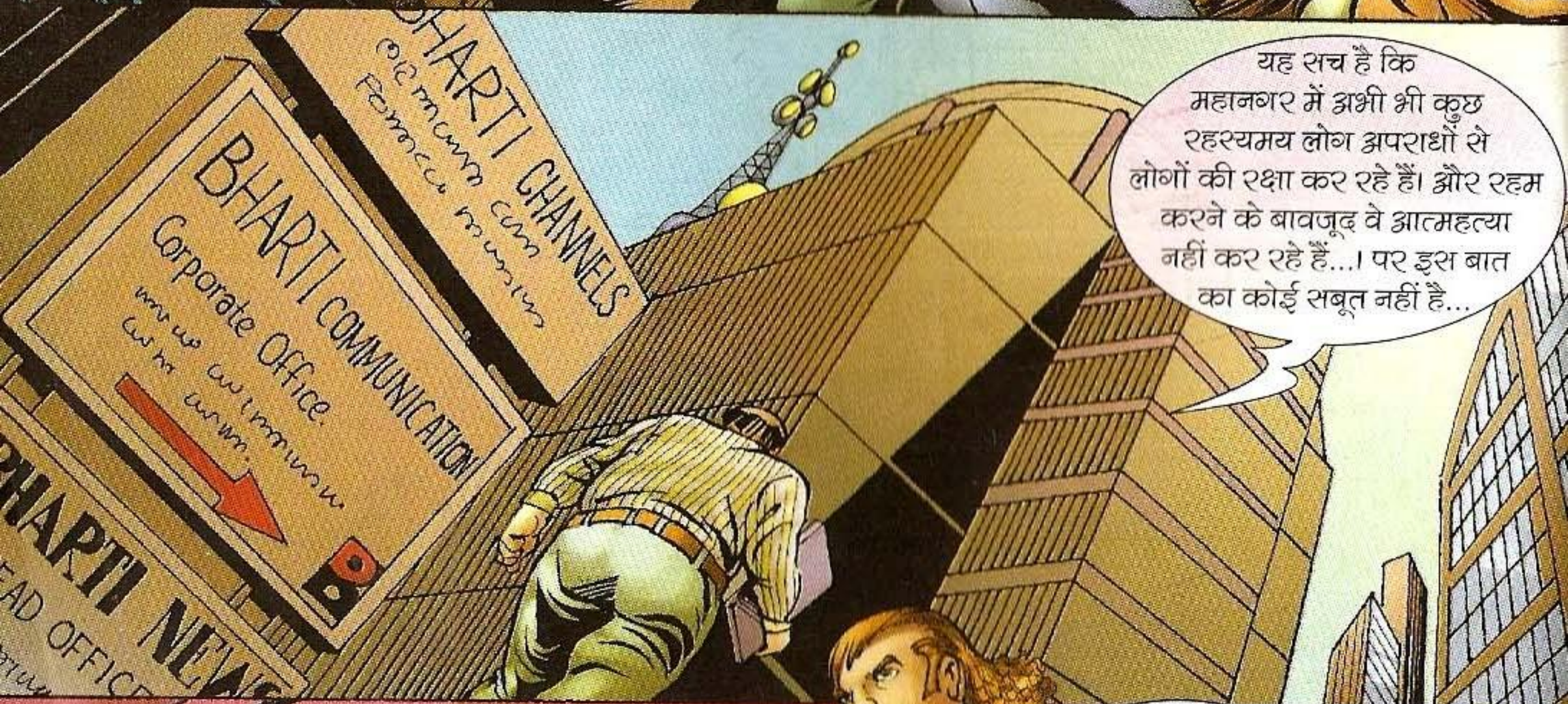
इस यंत्र के कारण! इच्छाधारी नागों का विष तीव्र तरंगे छोड़ता है।
और ये यंत्र ऐसी किसी भी तरंग को पकड़ सकता है।
और इस यंत्र में रीडिंग 'शून्य' पर है। यानी यहां से दस किलोमीटर तक के दायरे में कोई भी इच्छाधारी सर्प नहीं है।
मैं यहां पर इसी उम्मीद से आया हूं। कि हमारे हाथ कोई इच्छाधारी सर्प लग जाए। क्योंकि मुझे पूरी दुनिया में फ्यूल सप्लाई करना है।
और एक-एक कोबरा का विष बटोरने से यह काम नहीं हो सकता।
ऑयल टैंकर किंग मैमॉथ आपको कड़ी टक्कर देने की तैयारी कर रहा है। उसने पेट्रोलियम को फिर से दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाने के लिए एक नया प्लान बनाया है। इसी सिलसिले में वह कल महानगर भी आने वाला है।
मैमॉथ मरने आ रहा है। अब न रहेगा मैमॉथ और न रहेगा उसका प्लान।
"मेरा यहां पर आने का मुख्य मकसद मैमॉथ को रास्ते से हटाना है।"
"मेरा यह मकसद तो पूरा होकर रहेगा! पर इच्छाधारी नागों वाला पहला मकसद पूरा होता नजर नहीं आ रहा है।"
नागराज से इतने दिनों तक संपर्क न होना यह बताता है कि हमारा उससे जैविक संपर्क टूटने का आभास गलत नहीं था।
लेकिन हमें विश्वास तभी होगा जब हम महानगर में आकर स्वयं जांच करेंगे।

कुंआ खुद प्यासे के पास आ गया था!
मेरा तो अब दिल घबरा रहा है, नागार्जुन! मेरा नागराज के शरीर में रहने वाले किसी भी इच्छाधारी सर्प से संपर्क नहीं हो पा रहा है।
हमको भारती के पास चलना चाहिए। वह सब जानती होगी।
मुझे पता है कि इस वक्त वह कहां पर मिलेगी।
"भारती कम्युनिकेशंस में।"
अब अंदर चलकर भारती से...
शशश!
मुझे आभास हो रहा है यह वही जगह है, जहां से नागराज का जैविक संपर्क टूटा है।
म...मैं आसपास और छानबीन करती हूं। तब तक तुम भारती को ढूंढो।
दीवार पर ये क्या चिपका है? ये...जली हुई खाल का टुकड़ा है! पर ये टुकड़ा तो...
ये तो ड्रेगनॉर की त्वचा है। यानी नागराज को मारने के लिए ड्रेगानॉर को भेजा गया था। ड्रेगॉनार को एक ही शक्ति पालतू बना सकती है। और...ओ माई गॉड!
यानी इसके पीछे ...उनका हाथ है।
खतरा एकदम से हजार गुना बढ़ रहा है। इतनी सदियों के बाद वे फिर से सिर उठा रहे हैं। और हम शायद इसके लिए तैयार नहीं हैं। मुझे नागार्जुन को रोकना होगा। वापस जाना होगा।

वापस जाने के रास्ते बंद हो चुके थे।
मुझे...भारती से मिलना है।
भारती! अब वह यहां नहीं बैठती।
फिर...वो कहां मिलेंगी?
पता नहीं। Ok? Good day sir!
पर मैं...
ये मीटर! वेनम मीटर की सुई मैक्सिमम पर इशारा कर रही है। हमारे आसपास कोई इच्छाधारी नाग है। पचास मीटर के घेरे के अंदर। वह अभी आया है।
अभी आया है। यानी रिसेप्शन पर होगा। कैमरा नं. 11 पर। ये रहा! क्या यही है?
हां! इसकी आंखें देखो। यही है।
मैं अभी सिक्योरिटी को एलर्ट करता हूं। ये बाहर नहीं जाएगा।
इसे तुम्हारी सिक्योरिटी तो क्या, पुलिस भी पकड़ नहीं सकती। शायद मिलट्री भी नहीं। इनका विष इनको अद्भुत शक्तियों का धारक बना देता है।
अगर शिकार सामने है...
तो शिकारी भी दूर नहीं है।
ये...तुम्हारे शरीर से प्रकट हो रहे हैं। कैसे?
बताऊंगा।

म...मैडम! मेरा भारती से मिलना बहुत जरूरी है। अगर आप जानती हैं तो कृपया कर...
ओऽऽ! मैं जा ही रहा था। मुझे पता नहीं था कि यहां पर दो बार पूछने पर ही लोग सिक्योरिटी को बुला लेते हैं।
Bye!
हमारे साथ आओ!
तुमको जाने के लिए नहीं, साथ आने के लिए कहा गया है सर्प!
ओ! शायद मैंने मेकअप अच्छा नहीं किया। तुमने मुझे पहचान लिया!
पर अब मैं तुम्हारा वह हाल करूंगा कि तुम लोगों को कोई पहचान नहीं पाएगा।
नागराज को जो कुछ भी हुआ है, उसके पीछे जरूर तुम लोगों का ही हाथ है।
और अब वह कहानी मैं तुम लोगों के मुंह से ही सुनूंगा।

बस बहुत हो गया। अब मैं यहां नौकरी नहीं करूंगा।
जिसका डर था, वही हुआ। नागार्जुन की मदद करने के लिए मौके का इंतजार करना होगा।
जब देखो, तब कोई न कोई खतरा टपकता रहता है। जब तक नागराज था तब तक शांति रहती थी।
अरे! इनमें तो मेरी उम्मीद से ज्यादा फुर्ती है।
नागार्जुन! संभलकर। इन पर घातक वार करने से हिचकना नहीं। ये इंसान नहीं हैं।
ओफ्फ! ये तो नागमणि था। पर इसका हमारी शत्रु शक्तियों से क्या संबंध हो सकता है। और इसने मुझे पहचान कैसे लिया?
कुछ भी हो मुझे इनके हाथ नहीं आना है।
"अगर नागद्वीप की राजकुमारी इनकी बंधक बन गई.."
"तो ये इच्छाधारी नागों से अपनी हर शर्त मनवा लेंगे। लेकिन इतनी सदियों के बाद आखिर इनको हमसे टकराने की जरूरत क्यों पड़ गई।"
99999
अरे! एक...एक इच्छाधारी नागिन भी है। इसे भी पकड़ो।
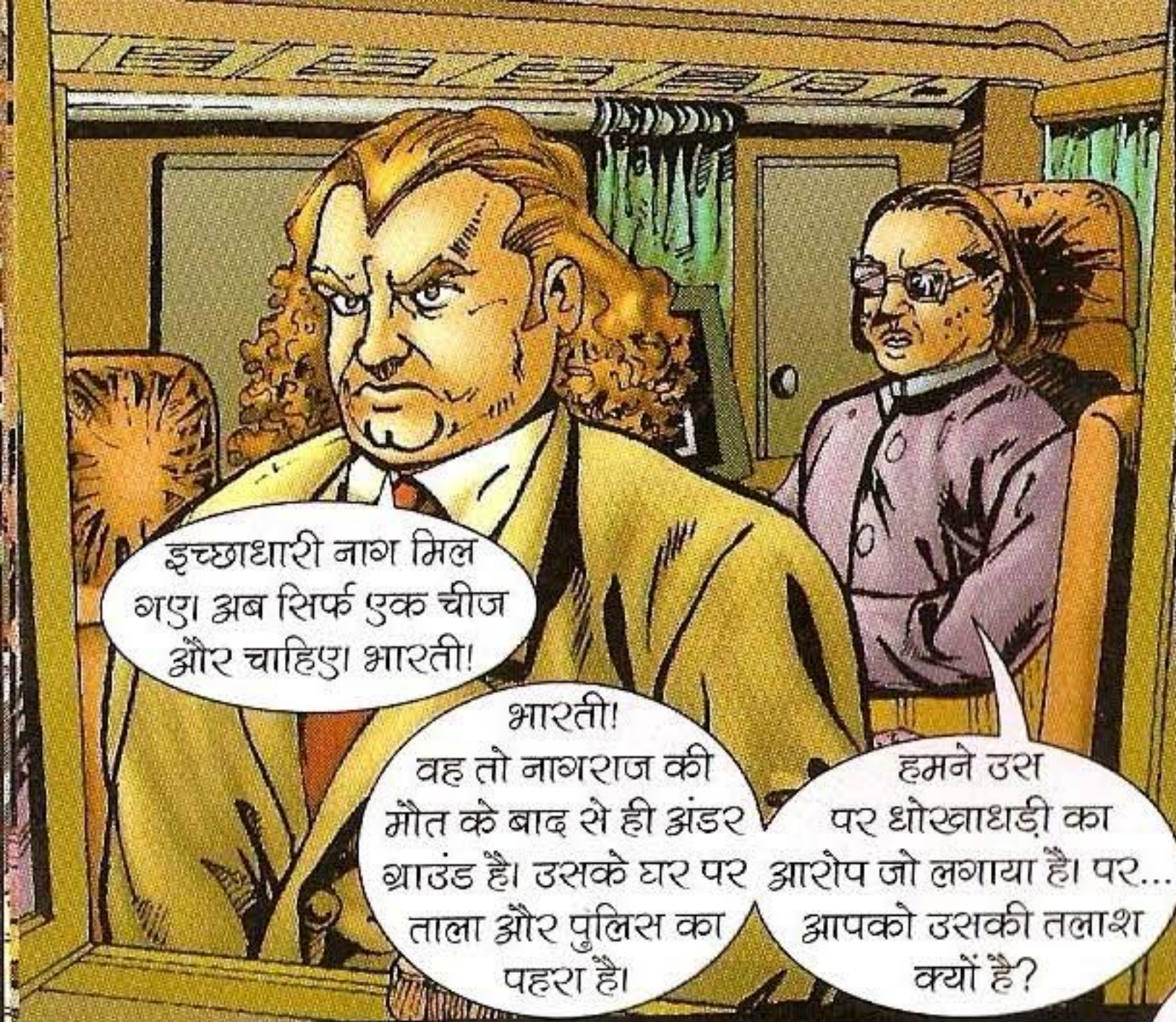
इच्छाधारी नाग मिल गए। अब सिर्फ एक चीज और चाहिए। भारती!
भारती! वह तो नागराज की मौत के बाद से ही अंडर ग्राउंड है। उसके घर पर ताला और पुलिस का पहरा है।
हमने उस पर धोखाधड़ी का आरोप जो लगाया है। पर... आपको उसकी तलाश क्यों है?
वह तुम्हारे डर से अंडरग्राउंड नहीं हुई है। वह किसी भी डर से अंडर ग्राउंड नहीं हुई है। उसके अंडर ग्राउंड होने का सिर्फ एक मकसद हो सकता है...
क्योंकि मुझे पहले यह पता नहीं था कि वह महान तिलिस्माचार्य वेदाचार्य की पोती है। हमको अगर कोई चीज नुकसान पहुंचा सकती है तो सिर्फ तिलिस्म!
"...हमारी तलाश"
"नागराज के दुश्मनों की तलाश"
आखिर हमको अपने ही घर के साठ फुट नीचे बनी इस गुफा में कब तक रहना पड़ेगा, दादा जी? मैं नागराज के हत्यारों से दो-दो हाथ करने के लिए बेताब हो रही हूं।
भूमि के नीचे तिलिस्मी शक्तियां क्षीण हो जाती हैं, भारती। और ऊपर रहने का खतरा फिलहाल हम मोल नहीं ले सकते। मुझे स्थिति को समझने में समय लगेगा।
और बिना स्थिति को समझे बाहर निकलने का अर्थ खतरे को दावत देना है।
ओफ्फ! दो-तीन महीने से मेरा बाहरी दुनिया से संपर्क सूत्र सिर्फ सौडांगी और ये मोबाइल फोन है। और अब तो एक हफ्ते से इस पर भी कोई मैसेज नहीं...
SAUDANGI CALLING...
लो! आ गया मैसेज!
बोलो, सौडांगी! कुछ पता चला?
एक नई घटना हुई है। अभी मेरी मुलाकात एक रहस्यमय शख्स से हुई है।
मुझे उसके अंदर अद्भुत शक्तियों का आभास हुआ है। उसने मुझे अपने असली रूप में बदलते हुए भी देखा। और फिर वह बंद कमरे में गायब हो गया!
सावधान रहा करो, सौडांगी! वह दोस्त भी हो सकता है...
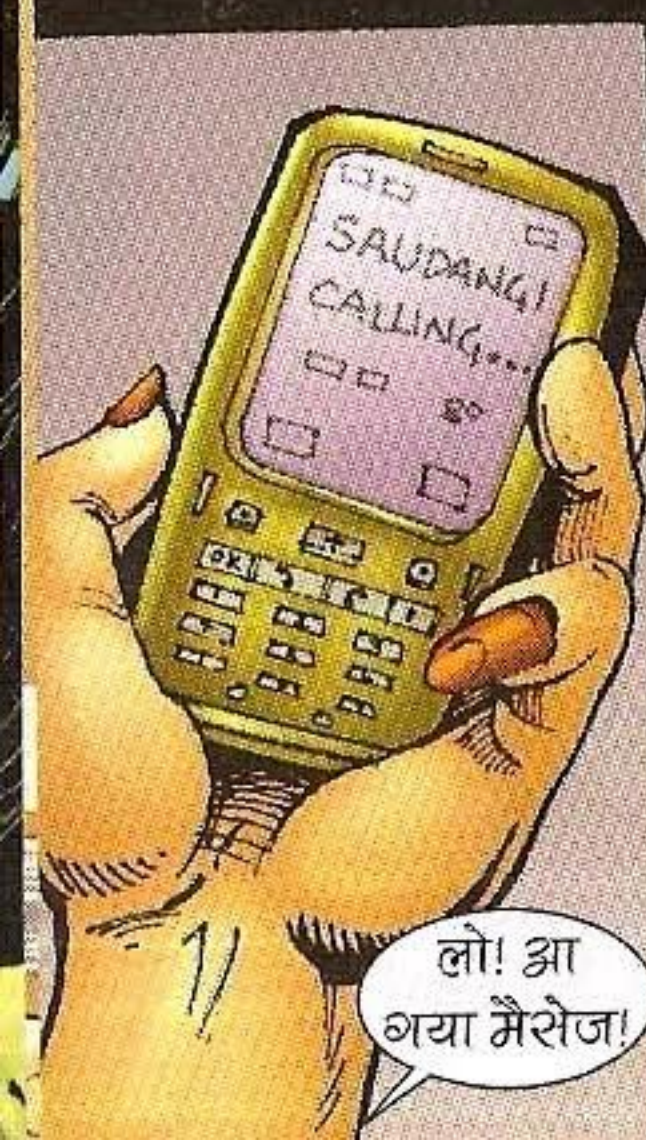
"और दुश्मन भी! हो सकता है कि हमारे दुश्मनों ने ही हमारी तलाश में उसको भेजा हो।"
NIWAS
"मेरे ख्याल से तो तुमको उसे ढूंढ़ना चाहिए।"
"और उससे सच्चाई का पता लगाना चाहिए।"
CAMERA C3
भारती ठीक कह रही है। मैं इस फोटो को सभी स्नेक गॉर्ड्स के पास भेज देती हूं।
सौ...मतलब... मैडम डांगी...
गई फोटो सभी गॉर्ड्स के पास।
SENDING TO ALL....
MULTI MAIL
...इस मछुआरा ने ड्रेगन को आते हुए देखा था।
किधर से आया था वह ड्रेगन?
किधर से नहीं। वह हवा में से प्रकट हुआ था। समंदर में मेरी नाव के ठीक ऊपर। और कल फिर वैसा ही हुआ।
यानी? एक ड्रेगन और आया?
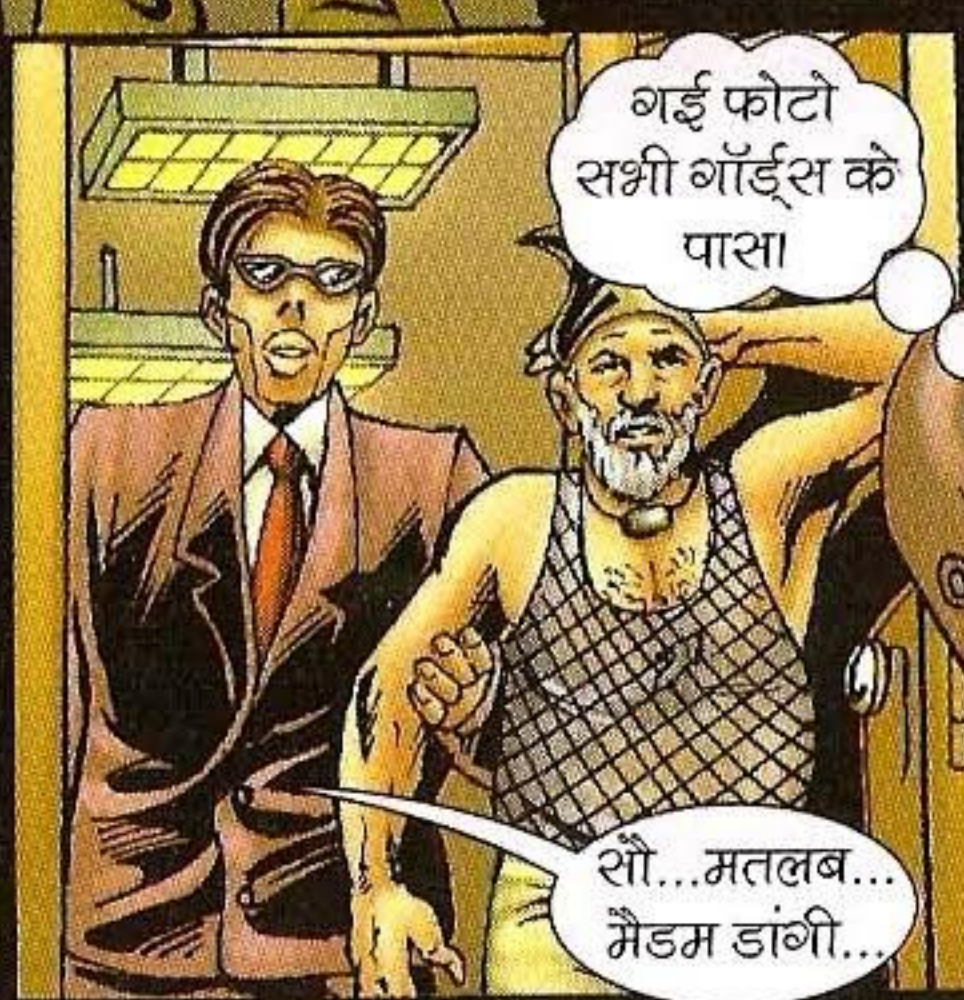
ड्रेगन नहीं। आदमी। एक आदमी जैसे हवा फाड़कर बाहर निकला। तब मैं बहुत डर गया कि अब जाने कौन सी आफत...
आदमी! ड्रेगन की तरह हवा फाड़कर आया था।
क्या...ये था वह आदमी?
देवा, देवा!! यही था! इसका फोटू आपके पास कैसे आया?
यानी जहां से वह ड्रेगन आया वहीं से यह अजनबी भी आया है। शायद भारती का कहना सही था।
मिस्टर शीत! सभी गॉर्ड्स को अर्जेंट मैसेज भेज दो। मुझे इस आदमी को तुरंत ढूंढना है।
शायद वह मिल गया है।
हां! कहां पर?...
पटेल रोड मेट्रो स्टेशन के पास। नजर बनाए रखो। हम अभी आते हैं।
तुम इंसान नहीं हो। इसलिए मुझे रहम दिखाने की कोई जरूरत नहीं है।
ओफ्फ! ये मैंने क्या किया? इनमें से कम से कम एक को तो जिंदा रखना चाहिए था। अब इनसे पूछताछ कैसे करूं?
तुमने शायद सुना नहीं कि हमने क्या कहा।
हमारे साथ आओ।

तुम...तुम
सब विस्फोट बाणों
से बच गए?
अब सीधे
नागबाणों का प्रहार
करना पड़ेगा।
ये तुम्हारे
शरीर के हर अंग की
हरकत को एक साथ
बंद कर देंगे!
फिर तुम
...अरे!
मेरी विष
शक्तियों का इन पर
कोई असर नहीं
हो रहा है।

एक तो हाथ आ गया। अब दूसरे की बारी।
"और उसके लिए मैंने खास इंतजाम करके रखा हुआ है।"
बस! रुक जाओ।
अब तुम तब दौड़ोगे जब हम तुमको दौड़ाएंगे।
कौन हो तुम लोग?
मेरा रास्ता क्यों रोकना चाहते हो?
यह मुझे पहचान नहीं पा रहा है। क्योंकि मैं इससे दूसरे रूपों में मिली हूं।
रास्ता छोड़ो। मुझे एक काम पूरा करना है और मुझे देर हो रही है।
जहां से तुम आए हो, वहीं से वह ड्रेगन आया था, जिसको नागराज ने अपनी जान भेंट में दे दी। हमको वहां ले चलो। हम तुमको इनाम में तुम्हारी जान बख्श देंगे।

इन 'थंबों' को पार करके कोई इंसान नहीं जा सकता। इनका अगर तुमसे स्पर्श भी हुआ...
तो तुम खाक हो जाओगे। अरे!
असंभव। मेरे... मेरे थंब इसने कील की तरह जमीन में गाड़ दिए।
मैंने कहा था न ये मामूली इंसान नहीं है। इसको पकड़ने के लिए हमें अपनी शक्तियों का प्रयोग करना पड़ेगा जो हम खुले में नहीं कर सकते।
वह अंडरग्राउंड पार्किंग कैसी रहेगी? अब तो वहां कोई गाड़ियां निकालने भी नहीं जाता।
Best! पर ये वहां जाएगा कैसे?
PARK
'टों' करके। मिस्टर नागू!
25
यहां हम आराम से बात कर सकते हैं। अब तुम या तो सच बताओगे या फिर ...आज के बाद कोई तुमको नहीं देखेगा।
मुझे नहीं पता कि तुम क्या चाहती हो? पर अब मैं और नहीं रुक सकता। मुझे जबरदस्ती करने पर मजबूर मत करो।

हमको भी जबरदस्ती करने पर मजबूर मत करो! और याद रखना...
नागराज के हत्यारों तक पहुंचने के लिए अगर हमको जल्लाद भी बनना पड़ा तो बनेंगे।
अजनबी का काम अधूरा छूट रहा था।
र विसर्पी को तो अपना काम हर कीमत पर पूरा करना था।
विसर्पी को यह आभास नहीं था कि उसका पीछा करने वाले..
पीछा छोड़ने वाले नहीं थे।
ये ज्यादा देर तक मेरा पीछा नहीं कर पाएंगे। हम नागों की गति का मुकाबला ये नहीं कर सकते। इनसे पीछा छूटते ही मुझे मुकाबले की तैयारी करने के लिए नागद्वीप की तरफ रवाना होना है।

"...ऐसे अकेले घूमने में पहचान लिए जाने का खतरा ज्यादा है। मुझे भीड़ में घुल-मिलकर समुद्र तट तक पहुंचना होगा।"
"और वहां तक पहुंचने का एक भीड़-भाड़ वाला रास्ता मुझे मुझे नजर आ रहा है।"
मेरा टोकन लेने के लिए धन्यवाद!
कोई बात नहीं जी।
विसर्पी पर आई मुसीबतें शायद टल गई थीं।
अब या तो तुम्हारी जुबान से सच बाहर आएगा, या तुम्हारी पूरी जुबान!

तुम तो वही हो जो मुझे घर ले गई थी...तुम दिल की अच्छी हो। इसीलिए कहता हूं कि...
...मुझे मत रोको
आऊं! एक चक्कर में इतना तेज हवा का झौंका I Now it's a war situation boys!
Attack!

ओफ्फ! इतनी चमक।
चमक अंधा बना रही है। इसे रोकना होगा।
क्रररश
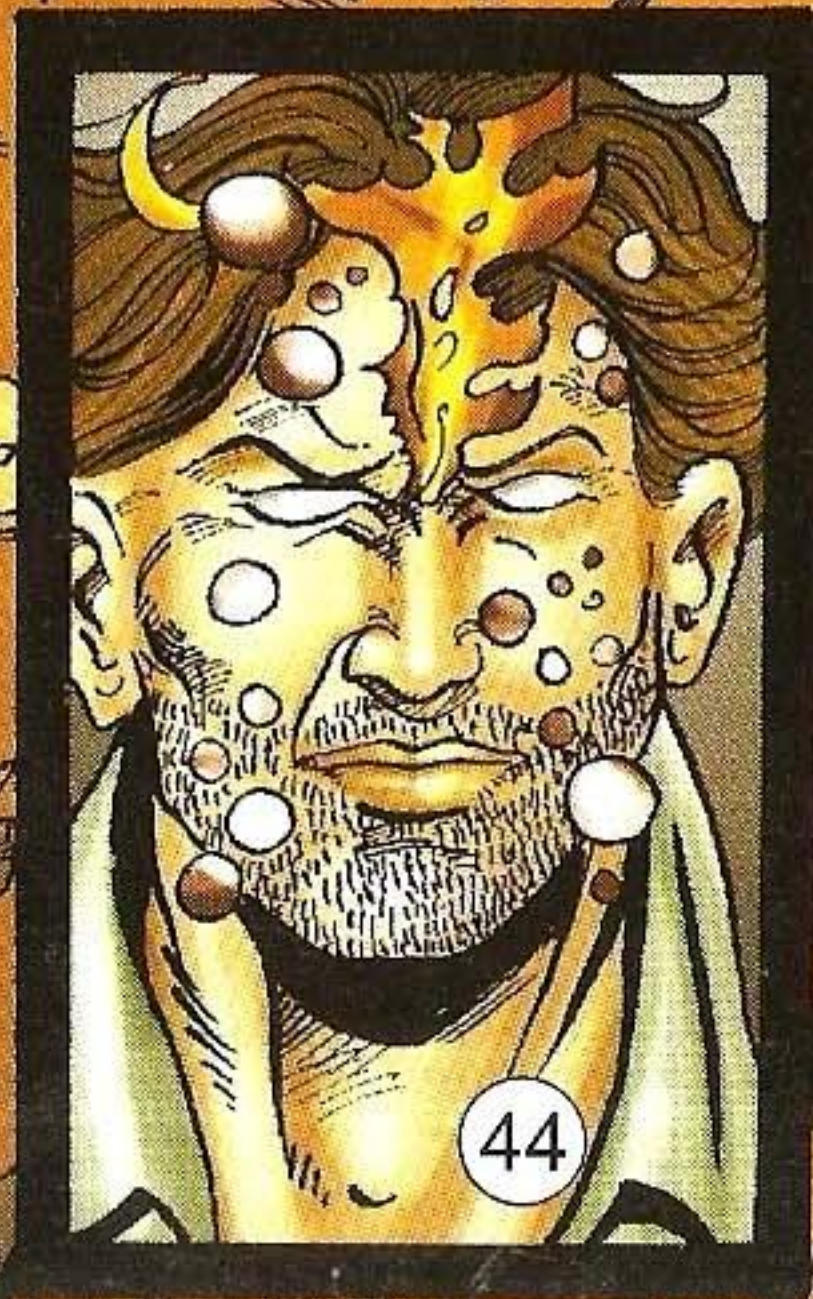
पर आखिरी वार अभी बचा था।
ये खार तब तक तेरी जान नहीं लेंगे, जब तक मैं नहीं चाहूंगी।
अब या तो ज़ुबान खोल...
...या ये खार तेरी सांस की नली में घुसकर तेरी सांसें रोक देगा।
और इन कांटों से आजाद होने की बेकार कोशिश मत करना।
क्योंकि कोई भी जीवित प्राणी, इंसान, शैतान या देव मेरे बंधनों से बाहर नहीं निकल सकता।
मुझे निकलना होगा! काम है तो पूरा करना भी होगा।
13
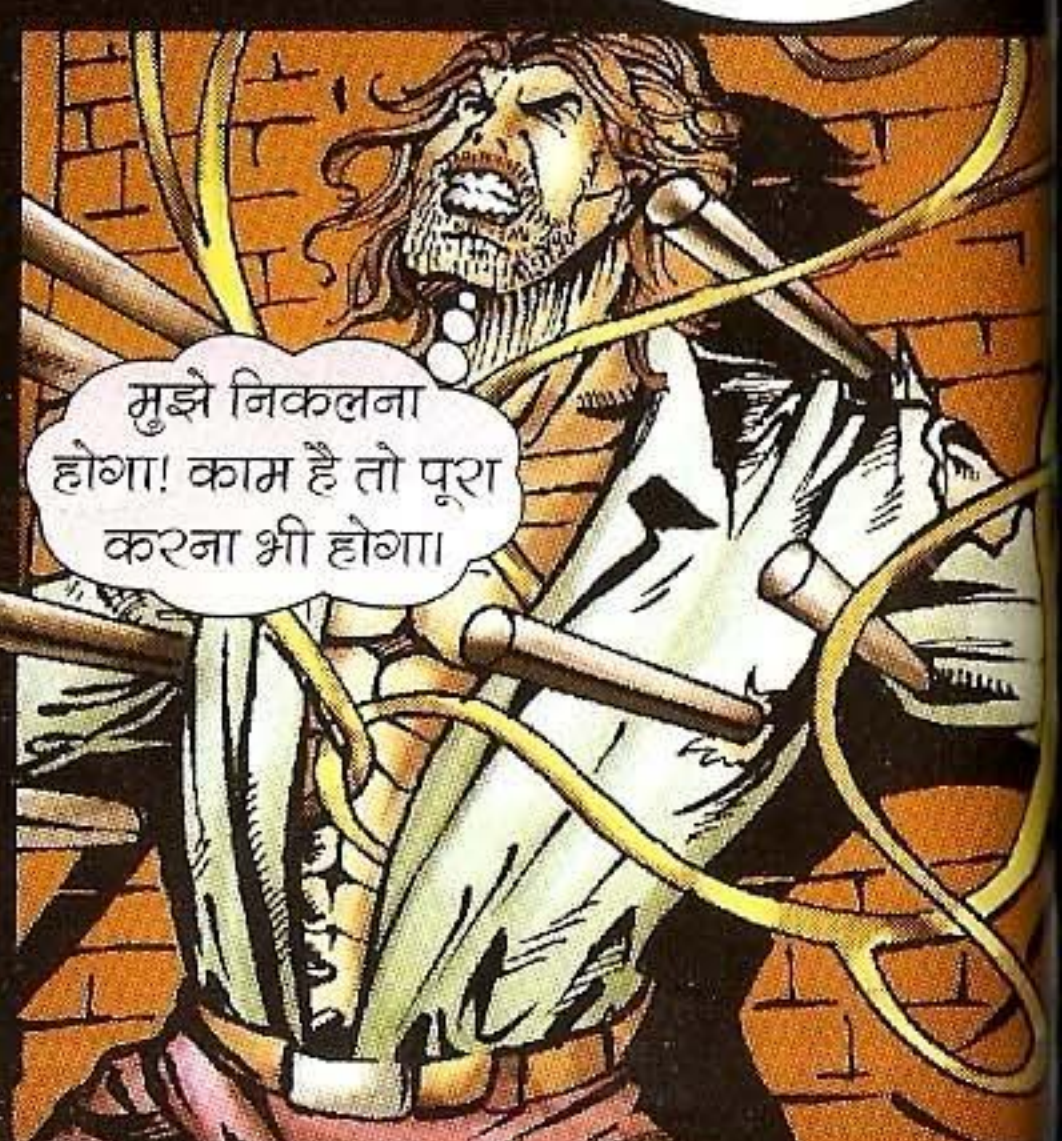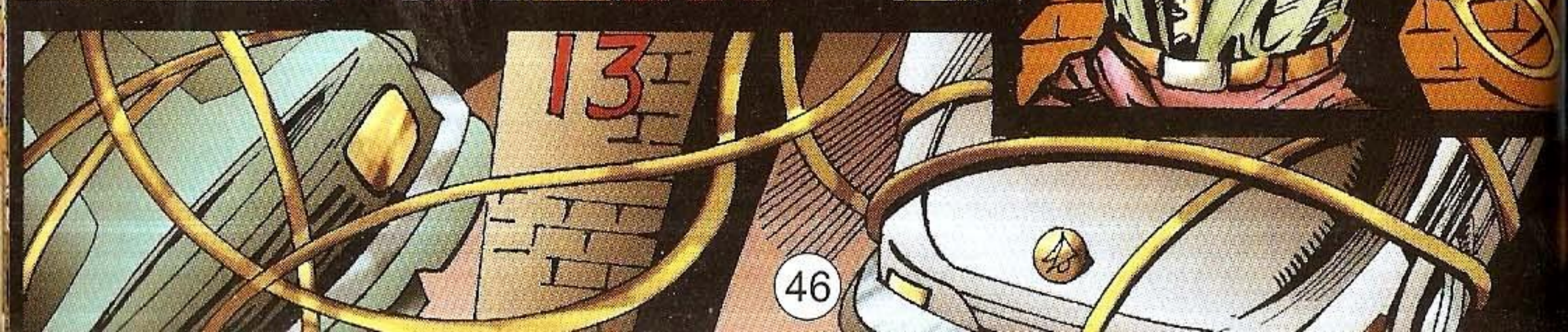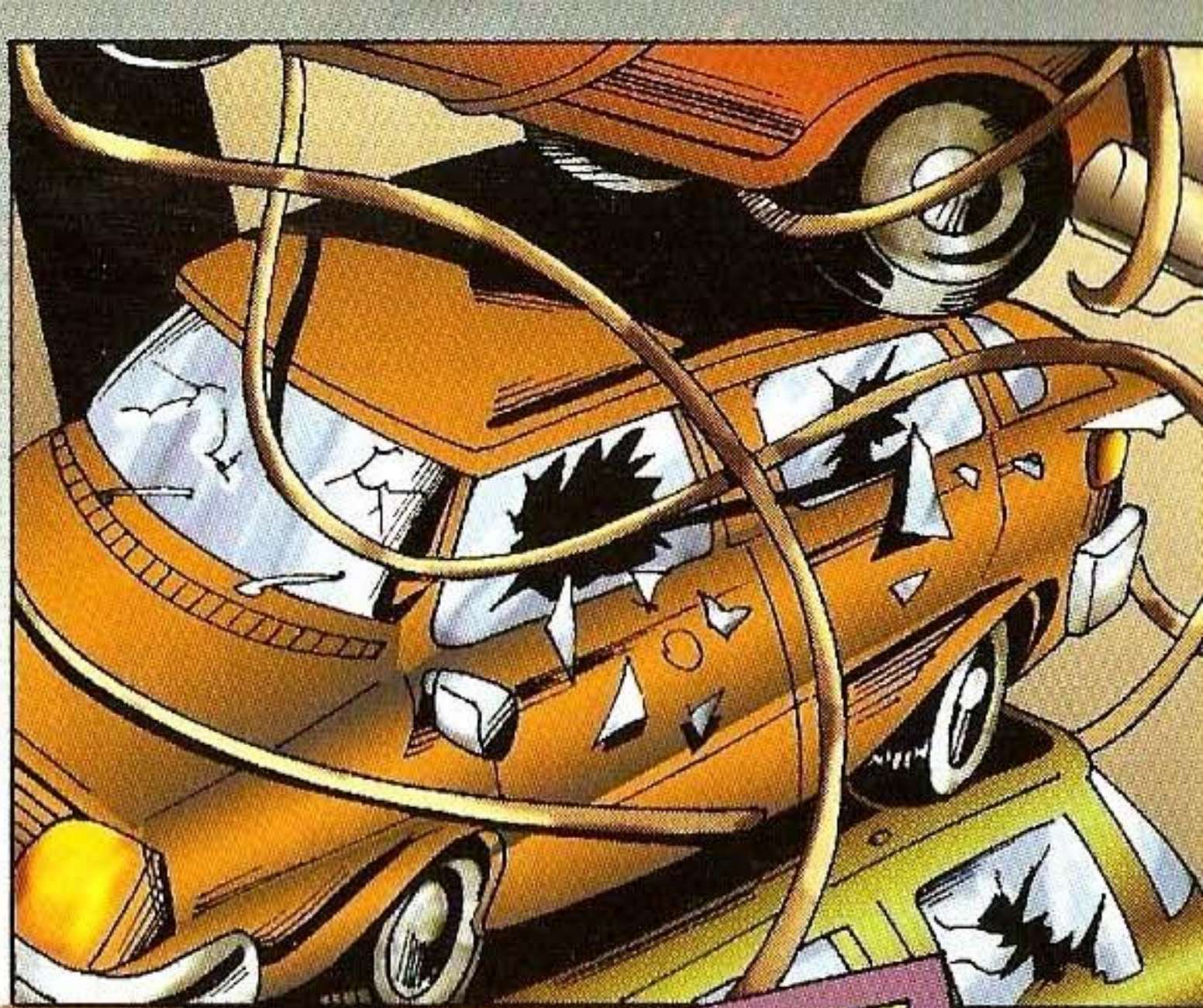
वह गायब हो गया, सौडांगी। तुम्हारे बंधनों से छूट गया। कैसे?
आश्चर्य है। उसे मेरे इस तंत्र की काट कैसे पता थी।
इसको पता था कि ये तंत्र बंधन तभी तक काम करेंगे जब तक ये नजरों के सामने रहेगा। इसने कारों से एक आड़ बनाई और आजाद हो गया।
पर...वह आजाद होकर गया कहां? ऐसी विचित्र शक्तियों वाले खलनायक का खुला घूमना ठीक नहीं है।
वह खलनायक नहीं था। ध्यान दो। उसने सिर्फ अपना बचाव किया। हम पर वार नहीं किया। ऐसा विचित्र शक्तियों वाला इंसान कौन हो सकता है?
कहीं ये... नागराज ही तो नहीं है।
नागराज का मृत शरीर हमको कहीं नहीं मिला था।
नागराज में ऐसी शक्तियां नहीं थीं और अगर ये नागराज होता तो हमसे क्यों झगड़ता?
वह हमसे नहीं झगड़ा था, सौडांगी। हमने उससे झगड़ा किया था।
पर कुछ भी हो। इस वक्त सिर्फ वही एक शख्स है...

"जो हमारे सवालों के जवाब दे सकता है।"
त...तुम हमेशा मुझसे आंख बंद करने को कहते हो, और पलक झपकते न जाने कहां से कहां पहुंचा देते हो। आखिर तुम बताते क्यों नहीं कि ये शक्तियां तुम्हारे पास कैसे आईं? कौन हो तुम?
बताऊंगा। अब इधर ध्यान दो। हमको इस इच्छाधारी नाग के विष की परीक्षा करनी है।
इस कमरे में लगा यह विशाल जेनरेटर वेनम जेनरेटर है।
हम इस शहर की पॉवर लाइंस का संपर्क दूसरे पॉवर स्टेशन्स से काट कर अपने वेनम जेनरेटर से जब चाहें तब जोड़ सकते हैं।
अब जैसे ही तुम इसका विष निकालोगे...
निकाल लिया।
Good! अब हम पॉवर लाइंस का कनेक्शन दूसरे पॉवर स्टेशन्स से काटेंगे।
अपने वेनम जेनरेटर से जोड़ेंगे।
"पलभर के लिए शहर अंधेरे में डूबेगा।"
"लाइटें जल उठेंगी... अगर इच्छाधारी के विष में ताकत होगी तो।"
कमाल हो गया। इच्छाधारी के जरा से विष ने पूरे महानगर को पॉवर सप्लाइ कर दी!
चलो! मेरी गली-गली में कोबरा ढूंढने की मुसीबत भी टली।
हमको ऐसे इच्छाधारी नाग और चाहिए। इससे पता करना होगा कि ये नाग कहां से आया है। और तब तक मेरे साए...
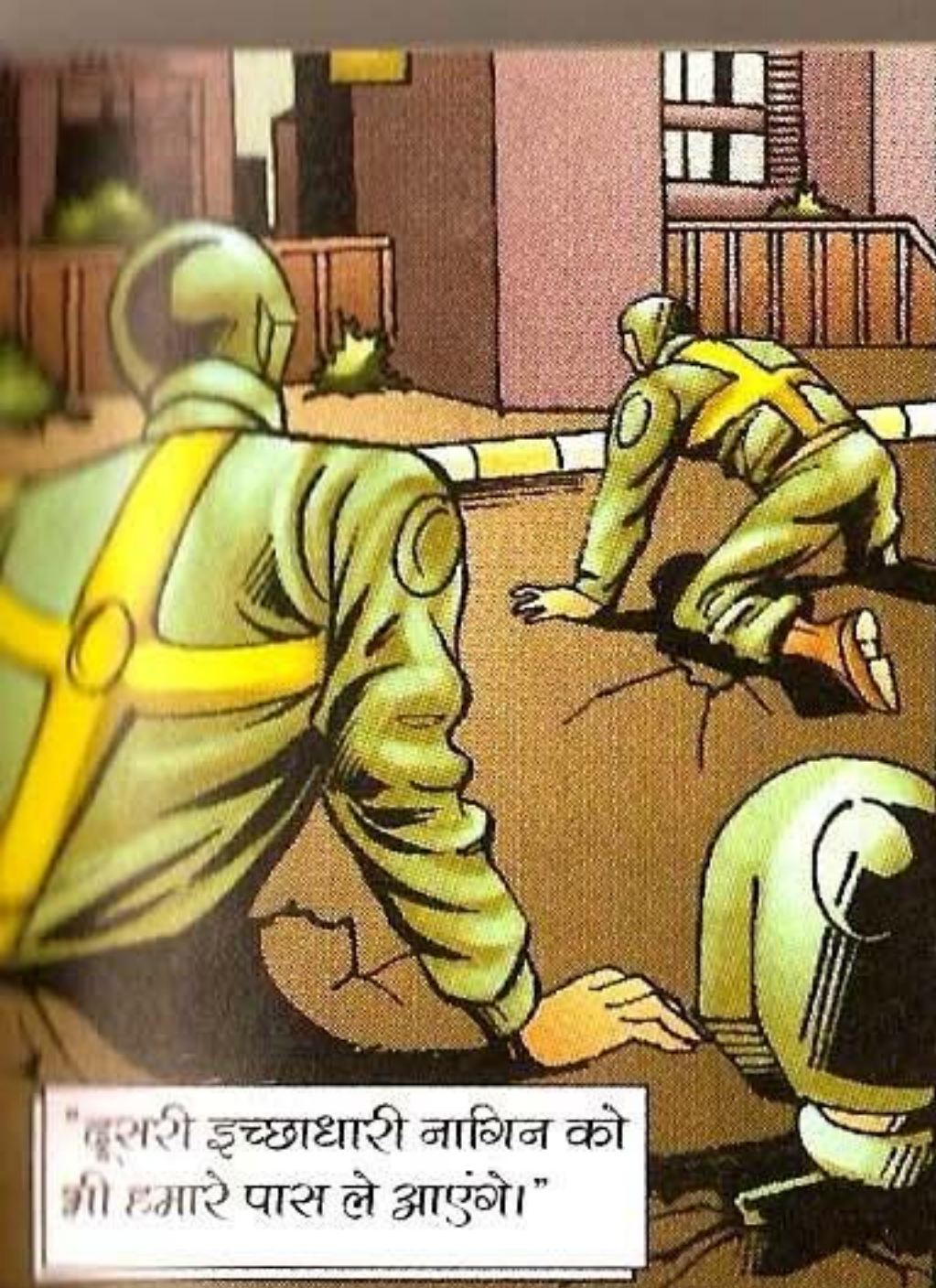
"दूसरी इच्छाधारी नागिन को भी हमारे पास ले आएंगे।"
"और एक बार इच्छाधारी नागों पर हमारा कब्जा हो गया।"
"तो फिर पूरी दुनिया पर हमारा कब्जा होने में..."
"...ज्यादा देर नहीं लगेगी।"
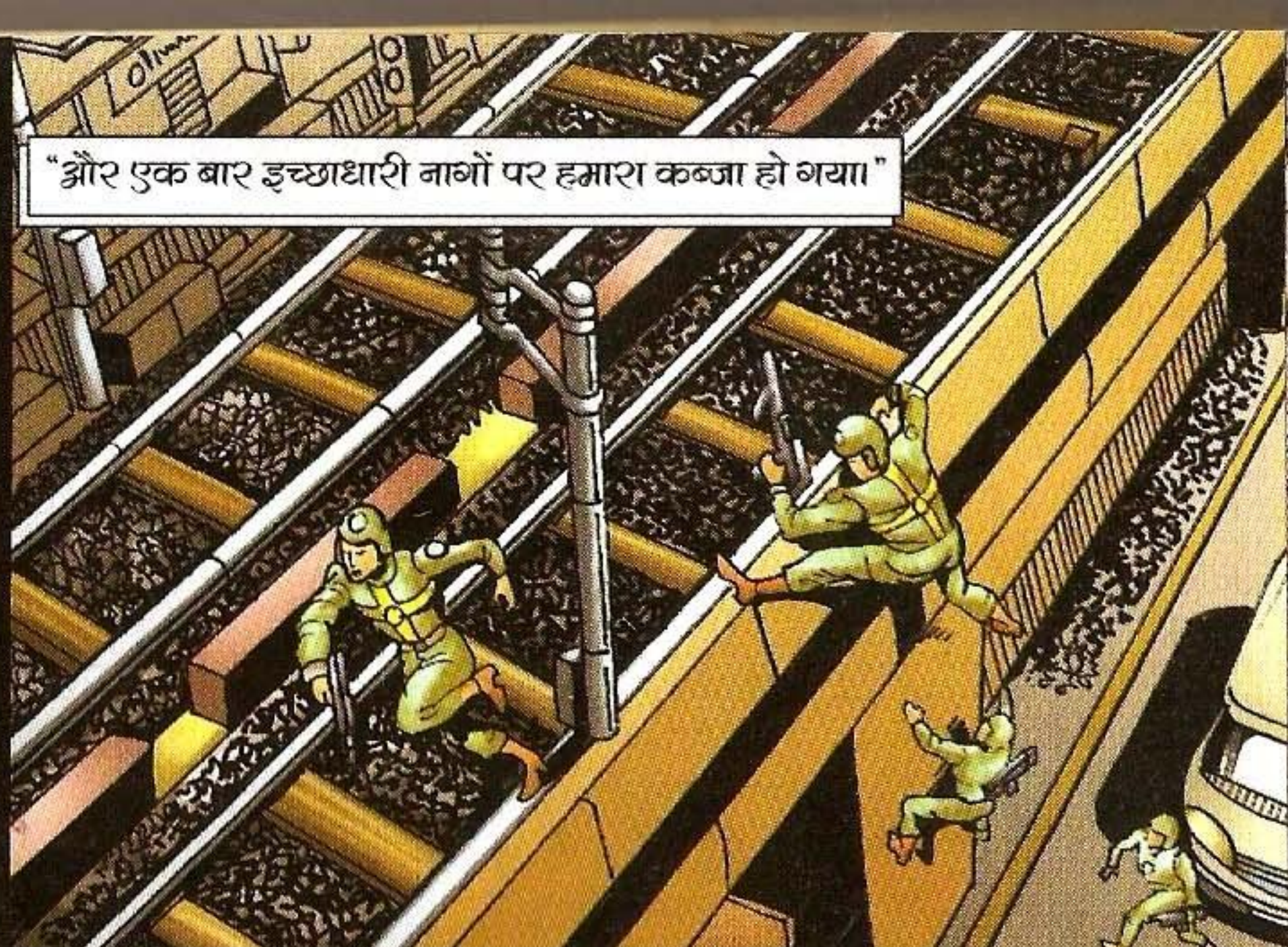
यानी ये लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। ठीक है, अगर इनको युद्ध ही चाहिए और वह भी दर्शकों के सामने...
...तो मैं तैयार हूं! विसर्पी के रण रूप के साथ।
मुझे पता है कि तुमको मारना मुश्किल है। पर असंभव नहीं है।
मैं तुमको इतने छोटे-छोटे टुकड़ों में काटूंगी कि तुमको जुड़ने में ही सालों लग जाएंगे।
हमको जुड़ने की जरूरत नहीं है।
क्योंकि हम अपने किसी भी अंग से पूरा उग सकते हैं। चाहे हवा से।
... या किसी दूसरे शरीर पर।

सर्पी इस हमले से कभी बच नहीं सकती थी।
उसको मदद की सख्त जरूरत थी।
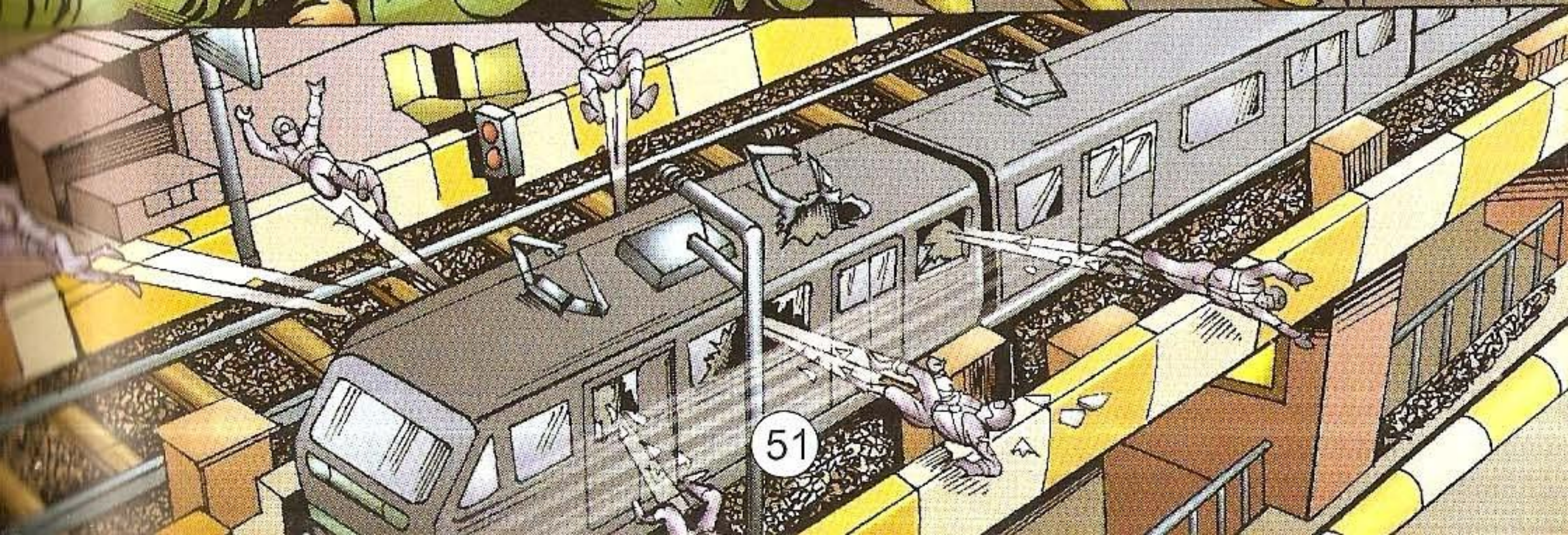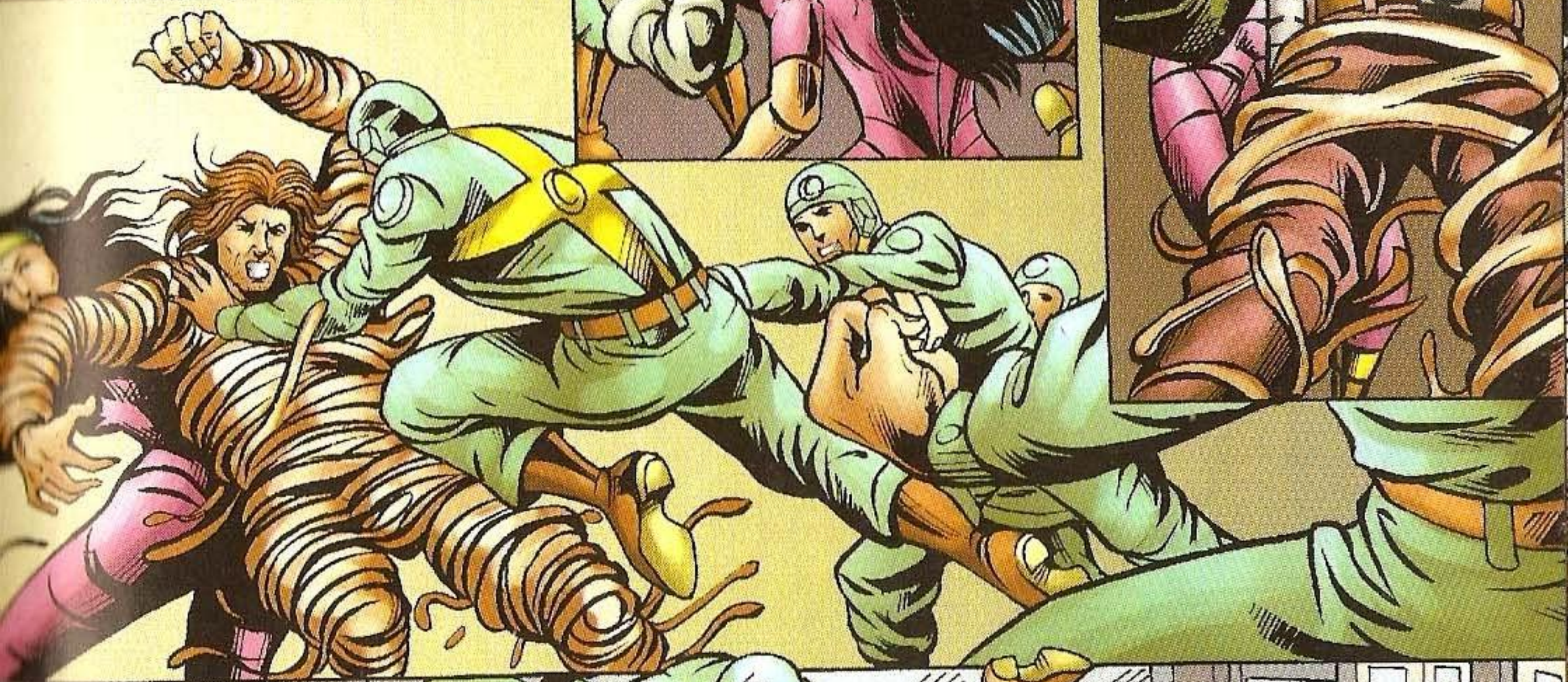
किंग! इधर देखो! ये कौन है?
मुझे डिस्टर्ब मत करो। मैं इस इच्छाधारी नाग के मस्तिष्क ये यह सूचना निकालने की कोशिश कर रहा हूं कि ये कहां से आया है।
कर लो, कर लो। क्योंकि यह नागिन तो अब तुम्हारे हाथ आने से रही।
क्यो? ऐसा कौन है जो किंग के सायों को रोकने की क्षमता रखता है।

"कौन है जो किंग को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है।"
ये....ये तुम क्या कर रहे हो? ये सैनिक इन बुलबुलों से डरने वाले नहीं हैं।
बुलबुले तो वे होते हैं जिनके अंदर हवा भरी होती है।
ये बुलबुले वे हैं जिनके अंदर बाहर की हवा का प्रेशर...
...दूसरी चीजों को भरता है। जैसे सैनिकों के शरीर। क्योंकि इन बुलबुलों के अंदर वैक्यूम है। निर्वात!
तुम्हारे साए तो बड़ी आसानी से पिट गए।
पिट गए? मेरे साए पिट नहीं सकते।
"क्योंकि उनको पीटने का तरीका सिर्फ मैं जानता हूं।"
इनको नष्ट करना असंभव है।
असंभव कुछ भी नहीं होता बस तरीका होना चाहिए।

और वह तरीका मुझे नजर आ चुका है।

असंभव! इसने.... इसने मेरे सायों को नष्ट करने का तरीका ढूंढ लिया।
क्या था वह तरीका? मुझे तो समझ में कुछ आया नहीं।
तरीका? तरीका तो मुझे तभी समझ में आ गया था जब बुलबुलों से बाहर आते सैनिक अपनी परछाई की तरफ देख रहे थे।
तभी मैं समझ गया था कि इनकी परछाई इनके लिए खास है। उसे नष्ट करना होगा।
और परछाई को नष्ट करने का तरीका यही था कि उनकी परछाई को बनने ही न दिया जाए।
परछाई खत्म...
...यानी दुश्मन खत्म।
अब ये बताओ कि तुम कौन हो? और ये तुम्हारे पीछे क्यों पड़े थे?
बताऊंगी भी तो शायद तुम समझ नहीं पाओगे। बस, इतना जान लो कि जो मेरे पीछे पड़े हैं वे इस दुनिया के सबसे खूंखार जल्लाद हैं। ऐसे जल्लाद जिनको दुनिया ने आज तक देखा तक नहीं है।
पर ये बताओ कि तुम कौन हो? और मेरी मदद करने के लिए तुम कहां से आ गए? एकाएक।
मैं जानता नहीं कि मेरा नाम क्या है? मेरी शक्तियां क्या हैं? बस, ये जानता हूं कि मुझे संकेत मिला कि यहां पर कोई मेरी मदद चाहता है। और मुझे उसको बचाना है।
संकेत मिला? यानी... तुम्हारे पीछे ? कोई और है?
कहीं... ये मुझे फंसाने के लिए कोई षड्यंत्र तो नहीं है? फिल्मी स्टाइल में! पहले हीरो बनकर जान बचाओ। विश्वास पाओ, फिर फंसाओ।
विसर्पी की चिंता जायज थी।

क्योंकि ऐसा ही आभास किसी और को भी हो रहा था।
विसर्पी! विसर्पी यहां पर है और उस पर खतरा मंडरा रहा है!
विसर्पी! यहां पर? कहां पर है वह?
अगर वह मुसीबत में है...
...तो हमें उसे बचाना होगा।
हां! लेकिन पहले अपने आपको!

असंभव! वैसे अच्छा है!
मैं तो समझ रहा था कि नागराज के साथ ही मुझे टक्कर देने लायक दुश्मन खत्म हो गए।
इससे खेलने में मजा आएगा। मैं चाहूं तो अपने प्रभाव का प्रयोग कर पूरे शहर की पुलिस या मिलिट्री को भी इनके पीछे लगा सकता हूं।
पर इसको मैं इसी की भाषा में जबाव देना चाहता हूं।
कोई भी भाषा बोल लो, पर तुम इस अजनबी से जीत नहीं पाओगे।
क्यों?
क्योंकि..मुझे यकीन है कि ये नागराज है। रूप बदलकर आया है।
बकवास! नागराज मर चुका है।
पर याद रखो, उसके शरीर का एक टुकड़ा तक हमको नहीं मिला था।
क्यों? तुम ये बात इतनी दावे के साथ कैसे कह सकते हो।
क्योंकि धमाके से उसका शरीर धूल बन गया था।
धूल बन गया था या वह बच निकला था? तुम मानो न मानो, ये नागराज है।
असंभव! ये असंभव है।
क्योंकि...

नागराज तो मेरे पास है।
क्या है यह रहस्य? जानने के लिए पढ़ें-
क्रमशः
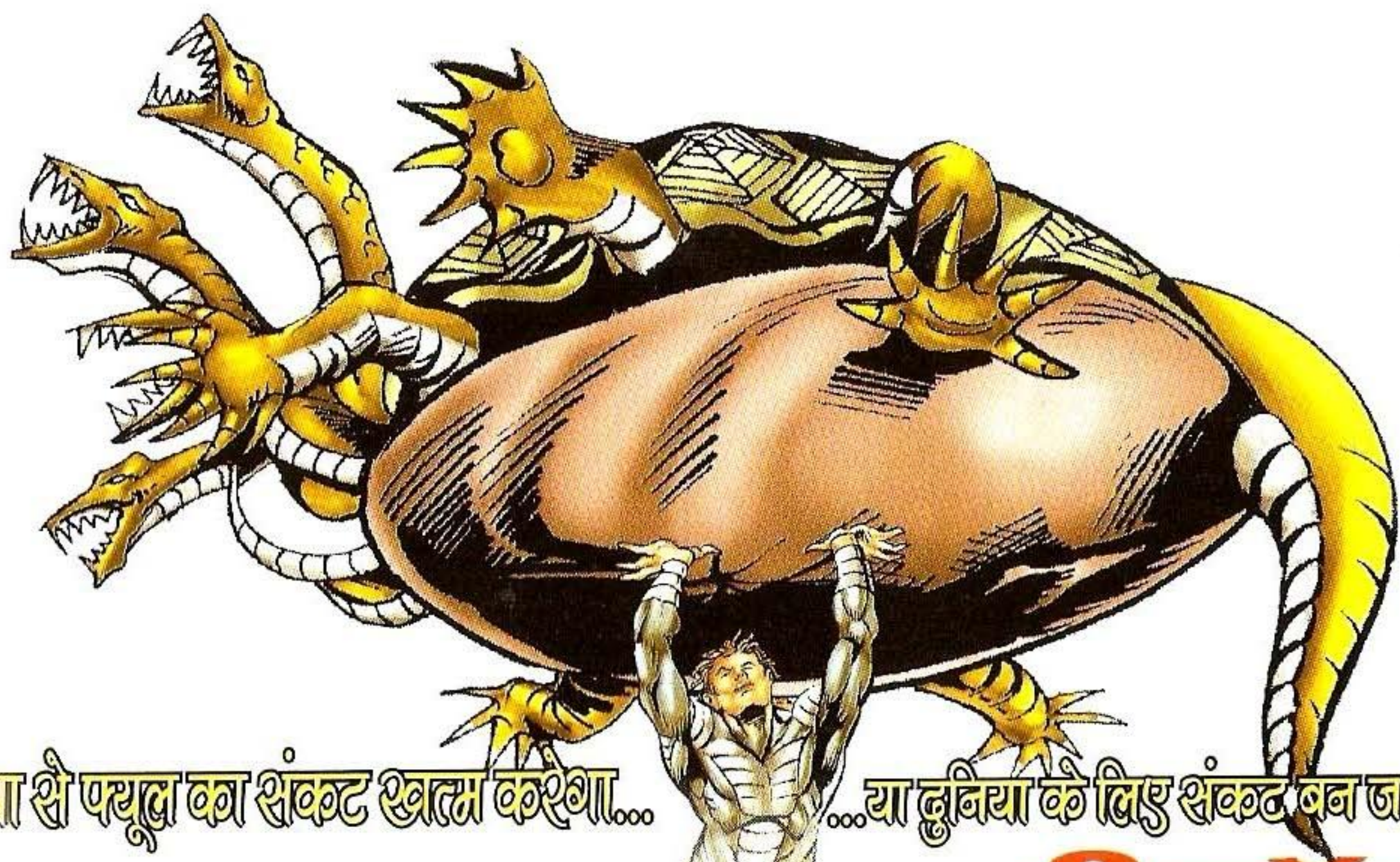
दुनिया से फ्यूल का संकट खत्म करेगा... ...या दुनिया के लिए संकट बन जाएगा

वीनॉम

प्रिय नागराज प्रेमियों, जनून!

आपकी अदालत में 'फ्यूल' लेकर आया हूं। यह फ्यूल बहुत ही ज्वलनशील है। 'नागराज के बाद' ने आप सभी से प्रशंसा दिलवाई। मुझे बहुत हर्ष है कि आपको राज कॉमिक्स और अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा जी की यह भेंट पसंद आई। मुझे विश्वास है कि 'फ्यूल' ने आपका 'नागराज के बाद' से भी ज्यादा मनोरंजन किया होगा। यह सीरीज एक रोमांचक रोलर कास्टर का मजा दे रही है। इसका अंतिम पार्ट 'वीनॉम' अगले महीने, अगले सैट में प्रकाशित हो रहा है। 'फ्यूल' भी रहस्य रोमांच का एक अनोखा संगम बन गया है। जहां एक तरफ राज की संघर्षपूर्ण जिंदगी देखने को मिली। वहीं उसका नागराज होने का रहस्य बहुत ही रोमांचक ढंग से दुनिया के सामने खुला। फिर हुई नागराज की मृत्यु और उसकी मृत्यु के पश्चात् रक्षक विहीन महानगर की समस्याएं। अजनबी का रहस्य कि आखिर वो है कौन? लगता तो बिल्कुल नागराज जैसा दिलेर और ताकतवर है पर उसकी शक्तियां अलग हैं और अंत में हतप्रभ कर देने वाला रहस्य कि नागराज तो किंग का बंदी है। कौन है यह किंग जिसने नागमणि और इस दुनिया को नचा रखा है? जिसकी उपस्थिति की भनक लगने पर नाग समाज्ञी विसर्पी भी कांप उठी है। ड्रेगन प्राणी जिसके इशारों के गुलाम हैं और जो खुद कई रहस्यमयी शक्तियां रखता है जिसके डर से तिलिस्म सम्राट वेदाचार्य तक 60 फुट जमीन के नीचे जा छुपे हैं। होने वाला है एक महासंग्राम। और हम सब बनेंगे इस रोमांचक महासंग्राम के दर्शक। अरे हां उसका जिक्र नहीं किया तो वो मुझसे नाराज हो जाएगी और इस कॉमिक्स में उसका घाघ रूप देखकर आप समझ ही सकते हैं कि उसे नाराज करने की भूल मुझे महंगी पड़ सकती है। मिस S.A.U. DANGI जी हां स्नेक आइज सिक्योरिटी एजेंसी की मालकिन सौडांगी। बस इससे ज्यादा जिक्र किया तो वो उससे भी खफा हो सकती है। हां आप अगर इसकी एजेंसी की कोई मदद कर सकें यानी कोई स्नेक गॉर्ड आपको चाहिए तो अच्छा होगा कि आप खुद आगे आएं। नहीं तो वो खुद आप तक पहुंची तो उसका डिमॉन्स्ट्रेशन महंगा पड़ सकता है।

'नागराज के बाद' में हम अपने पाठकों को एक 3D चश्मा मुफ्त देने वाले थे। किंतु समय पर चश्मा तैयार ना हो पाने की वजह से हमें ऐन मौके पर अपना निर्णय वापस लेना पड़ा। आपको हुई असुविधा के लिए हम क्षमा प्राथी हैं। हम 'फ्यूल' में तीन पेज की 3D कॉमिक्स जल्लाद दे रहे हैं। आशा है आपको यह नया करेक्टर जल्लाद पसंद आएगा। यह पूरी कॉमिक्स आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर पढ़ सकेंगे। 3D भी और मुफ्त भी। इसी के साथ बाल बांकेलाल की 3D कॉमिक्स आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं। साथ ही राज कॉमिक्स वेबसाइट पर आपके लिए शुरु किया गया है राज रोजाना जिसमें रोज नई कॉमिक्स डाली जाती हैं। आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर जाकर इन्हें मुफ्त पढ़ सकते हैं। राज रोजाना में आप पढ़ सकते हैं '[illegible]' व '[illegible] मां'। जब तक यह तीन पेज आप तक पहुंचेगा तब तक और भी बहुत कुछ होगा राज कॉमिक्स वेबसाइट पर। जैसे हिन्दी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में मुफ्त राज webcomics.

Raj Rojana